वर्ष : 05 अंक : 21

गाजियाबाद, गुरुवार 14 मई 2026

पृष्ठ-6 मूल्य : दो रूपये

RNI No. - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

"हर वर्ष एक बुरी आदत को मूल से खोदकर, फेंका जाए तो कुछ ही वर्षों में बुरे से बुरा, व्यक्ति भला हो सकता है।"

सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें मंत्रीगण: सीएम योगी

ईंधन संरक्षण राष्ट्रीय दायित्व, उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल बने आदर्श: मुख्यमंत्री

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आ'ान करते हुए शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रीगणों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आ'ान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सम्पन्न विस्तारित मंत्रिमंडल की पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आ'ान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए और आमजन भी इससे प्रेरणा लें। उन्होंने शासन एवं प्रशासनिक कार्यों में डिजिटल और वर्चुअल माध्यमों के अधिकतम उपयोग पर बल देते हुए निर्देश दिए कि अंतरजनपदीय बैठकें, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विधानसभा एवं विधान परिषद की स्टैंडिंग कमेटियों की बैठकें यथासंभव हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय और निदेशालय स्तर पर एयरकंडीशनर एवं लिफ्ट के आवश्यकता-आधारित उपयोग के निर्देश देते हुए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखने तथा प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन, रेल यात्रा और कारपूलिंग को बढ़ावा देने के साथ 50 से अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने पर भी बल दिया।

ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन को शासन की प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग तथा जनजागरूकता अभियानों को रिहायशी कॉलोनियों, विद्यालयों और महाविद्यालयों तक विस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए नई नीति तैयार करने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्वच्छ एवं ऊर्जा-कुशल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक आयोजनों में भी मितव्ययिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शादी-विवाह एवं अन्य समारोहों के लिए घरेलू स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि अनावश्यक व्यय पर रोक लगे और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिले।

'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को व्यवहार में उतारने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण उपहार स्वरूप उन्हीं वस्तुओं का उपयोग करें, जिनका निर्माण उत्तर प्रदेश में होता है। उन्होंने कहा कि 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्थानीय उत्पादों की समृद्ध श्रृंखला उपलब्ध है, जिन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने एलपीजी सिलेंडर के स्थान पर पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए आवश्यक नीतिगत बदलाव तत्काल किए जाएं। उन्होंने कॉमर्शियल एलपीजी उपयोगकर्ताओं को भी पीएनजी से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

मुलायम के छोटे बेटे प्रतीक यादव का निधन

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) संरक्षक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह 38 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब छह बजे प्रतीक यादव को लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। प्रतीक के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का असली कारण सामने आएगा। प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। वह अखिलेश यादव के सौतेले भाई थे। प्रतीक ने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स से पढ़ाई की थी। देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद प्रतीक राजनीति से दूर थे। उनका रियल एस्टेट और फिटनेस का बिजनेस था। वह लखनऊ में ह्यद फिटनेस प्लेनेटह्ल नामक जिम के मालिक थे। इसके अलावा वह ह्यजीव आश्रयह्ल नाम की संस्था भी चलाते थे जो स्ट्रीट डॉग्स का इलाज और देखभाल करती है। प्रतीक यादव की शादी अपर्णा यादव से हुई थी। अपर्णा यादव भाजपा की तेजतर्रार नेता हैं और वर्तमान में यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। प्रतीक यादव के निधन से यादव परिवार और उनके करीबियों में शोक की लहर है।

योगी, अखिलेश ने जताया दुःख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के बुधवार को आकस्मिक निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने शोक संदेश में कहा, प्रतीक यादव जी का आकस्मिक निधन अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। श्री अखिलेश यादव ने अपने सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये कहा, ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। विनम्र श्रद्धांजलि। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी के पुत्र एवं उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव जी के पति प्रतीक यादव जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भी प्रतीक यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि भगवान पूरे परिवार को यह दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें। गौरतलब है कि 38 वर्षीय प्रतीक यादव को आज सुबह करीब छह बजे लखनऊ के सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। राजनीति से दूर रहकर वह रियल एस्टेट और फिटनेस का कारोबार संभालते थे।

सरकार ने सोने-चांदी के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार ने सोने और चांदी के आयात पर शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। देश में सोने-चांदी की खरीद को हतोत्साहित करने और इस पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। सूत्रों ने बताया कि सोने और चांदी पर मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा पांच प्रतिशत कृषि उपकर भी लगाया गया है। इस प्रकार कुल शुल्क 15 प्रतिशत हो गया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ चुकी है। इस कारण कच्चे तदेल और गैस के आयात सरकार को ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ रही है। सरकार दूसरे उत्पादों का आयात कम कर विदेशी मुद्रा की खपत कम करना चाह रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की थी। साथ ही उन्होंने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्रा से बचने और जीवाश्म ईंधनों की खपत कम करने का भी आग्रह किया है। सरकार के कई मंत्री भी प्रधानमंत्री की अपील दोहरा चुके हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का गुगल- एप्पल को सख्त निर्देश, अश्लील एप्स पर तुरंत लें एक्शन, मांगा जवाब

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि गुगल प्लेस्टोर और एप्पल एप स्टोर पर उपलब्ध कई मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल अश्लील और पोर्नोग्राफिक सामग्री फैलाने और अन्य कथित अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की डिवीजन बेंच ने गुगल और एप्पल के संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने और जुलाई में होने वाली अगली सुनवाई से पहले 'कार्रवाई रिपोर्ट' दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐप स्टोर चलाने वाले इंटरमीडियरीज की, सूचना प्रौद्योगिकी (इंटरमीडियरी दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत एक अहम ज़िम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे प्लेटफॉर्म को न सिर्फ.शिकायतें मिलने के बाद, बल्कि अपने स्टोर पर एप्लिकेशन अपलोड करने की अनुमति देते समय भी पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। बेंच ने आगे निर्देश दिया कि मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए ऐसी कथित आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को तुरंत रोका जाए और आईटी नियम, 2021 का सख्ती से पालन किया जाए। यह पिल रुबिका थापा नाम की एक जागरूक नागरिक ने दायर की है, जिसमें दावा किया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कई एप्लिकेशन कथित तौर पर अश्लील, भद्दी और पोर्नोग्राफि क सामग्री को बढ़ावा दे रहे हैं। याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि इनमें से कुछ एप्लिकेशन का इस्तेमाल कथित अनैतिक तस्करी, वेश्यावृत्ति, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग, हथियारों के अवैध व्यापार और संगठित आपराधिक गतिविधियों, जिसमें जबरन वसूली भी शामिल है, के लिए किया जा रहा है। याचिका के अनुसार, कई एप्लिकेशन कथित तौर पर सोशल नेटवर्किंग और लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की आड़ में काम कर रहे हैं, जबकि वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का कथित उल्लंघन करते हुए अश्लील सामग्री प्रदर्शित कर रहे हैं।

नेहरु वर्ल्ड स्कूल ने सीबीएसई 12वी में शानदार प्रदर्शन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। सीबीएसई का बाहरवीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है नेहरु वर्ल्ड स्कूल का परिणाम बेहद सुखद व शत-प्रतिशत रहा स्कूल के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया विज्ञान वर्ग में आराध्या भारद्वाज व कला वर्ग में सिद्धीजैन ने संयुक्त रुप से सर्वाधिक 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए इसके अतिरिक्त अंशिका यादव व देविशी मित्तल ने संयुक्त रुप से 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए गीतिका गुप्ता 97 प्रतिशत अंक कुल 82 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त किए परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा स्कूल की तरफ से सभी बच्चो को शुभकामनायें दी गयी।

मिसाल पेश करते पीएम मोदी: अपने काफिले का आकार 50% घटाया, ई-वाहन पर जोर, आर्थिक संकट से निपटने के लिए बनाया 'मास्टर प्लान'

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बढ़ते आर्थिक तनाव और ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में आई उछाल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी पहल की है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने अपने काफिले के आकार को 50 प्रतिशत तक कम करने का सख्त आदेश दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने की बात कही है।

सूत्रों के मुताबिक, स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) को निर्देश दिया गया है कि वह प्रधानमंत्री के काफिले में वाहनों की संख्या कम करे, लेकिन यह भी सुनिश्चित करे कि जरूरी सुरक्षा नियमों से कोई समझौता न हो। रढ॥ ने इन निर्देशों पर अमल करना शुरू भी कर दिया है। सूत्रों ने यह भी बताया कि पीएम मोदी ने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों के ज्यादा इस्तेमाल की बात कही है, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया है कि इस बदलाव के लिए कोई नया वाहन नहीं खरीदा जाएगा। यह कदम पीएम मोदी की उस अपील के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने नागरिकों से खर्च में कटौती के उपाय अपनाने को कहा था। इन उपायों में एक साल तक सोना न खरीदना, गैर-जरूरी विदेश यात्राएं टालना और ईंधन की खपत कम करना शामिल था। भारत, वैश्विक स्तर पर तेल की बढ़ती कीमतों के आर्थिक नतीजों का सामना करने की तैयारी कर रहा है, ऐसे में ये उपाय अहम हैं।

खर्च में कटौती के उपायों में खुद आगे बढ़कर मिसाल कायम करते हुए, ढट मोदी ने गुजरात और असम जैसे राज्यों के हालिया दौरों के दौरान अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया था। हैदराबाद में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री की खर्च में कटौती की अपील के तुरंत बाद, वडोदरा और गुवाहाटी में उनके छोटे काफिले देखे गए थे।

सूत्रों ने बताया कि वाहनों की संख्या में यह कटौती एसपीजी प्रोटोकॉल के तहत जरूरी सुरक्षा जरूरतों को पूरी तरह से बनाए रखते हुए की गई थी।

पीएम मोदी की खर्च में कटौती की अपील

रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना इखढ की एक रैली को संबोधित करते हुए, ढट मोदी ने लोगों से खर्च में कटौती के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसा करके देश, ईरान युद्ध के आर्थिक प्रभावों का सामना करने और अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने में मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने, मेट्रो रेल सेवाओं, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों और रेलवे पार्सल सेवाओं का ज्यादा इस्तेमाल करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने जहाँ भी संभव हो, 'वर्क–फ्रॉम–होम' (घर से काम करने) की प्रथा को भी बढ़ावा देने की बात कही।

विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने की जरूरत पर जोर देते हुए, उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे एक साल के लिए सोने की खरीद और गैर–जरूरी विदेश यात्रा टाल दें। उन्होंने आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए खाने के तेल की खपत कम करने, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और स्वदेशी (स्थानीय) उत्पादों का ज्यादा इस्तेमाल करने की भी वकालत की। इस बात पर जोर देते हुए कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया संकट के बुरे असर से नागरिकों को बचाने की कोशिश कर रही है, ढट मोदी ने कहा कि ईंधन का समझदारी से इस्तेमाल और खर्च में कटौती के उपाय वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करेंगे।

ऊर्जा बचत की मुहिम में उतरे मंत्री नरेंद्र कश्यप, सुरक्षा काफिला घटाया, पैदल चलने का लिया संकल्प

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। देश में ऊर्जा संरक्षण और ईंधन बचत को लेकर चल रही मुहिम अब सरकार के मंत्रियों के आचरण में भी दिखाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने भी ऊर्जा बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने अपने सुरक्षा काफिले को कम करने और छोटी दूरी के लिए पैदल चलने का संकल्प लिया है। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि देश इस समय ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता को गंभीरता से समझ रहा है। ऐसे समय में जनप्रतिनिधियों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि आम जनता भी प्रेरित हो सके। उन्होंने बताया कि सरकारी कार्यों के दौरान जहां संभव होगा, वहां अनावश्यक वाहनों का उपयोग कम किया जाएगा और पैदल चलने या सीमित वाहनों के साथ ही यात्रा की जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा की बचत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि देश का प्रत्येक व्यक्ति छोटी-छोटी आदतों में बदलाव कर ले, जैसे अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, बिजली का संयमित उपयोग करना और संसाधनों की बचत करना, तो इससे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा परिवर्तन आ सकता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ऊर्जा बचाने की अपील के बाद राज्य सरकार के स्तर पर भी कई विभागों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सरकारी कार्यालयों में बिजली की खपत कम करने, अनावश्यक रोशनी बंद रखने और ईंधन की बचत के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यदि मंत्री और अधिकारी स्वयं इन उपायों को अपनाएंगे तो समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने अपने समर्थकों और क्षेत्र की जनता से भी अपील की कि वे ऊर्जा संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उनका कहना था कि छोटे कदम भी बड़े बदलाव का कारण बन सकते हैं। स्थानीय लोगों ने भी मंत्री के इस निर्णय की सराहना की है। कई नागरिकों का कहना है कि जब जनप्रतिनिधि स्वयं उदाहरण पेश करते हैं, तो समाज में जागरूकता तेजी से फैलती है। लोगों का मानना है कि यदि अन्य मंत्री और अधिकारी भी इसी तरह पहल करें तो ऊर्जा बचत का अभियान और प्रभावी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार देश में ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यदि सरकार और जनता मिलकर ऊर्जा संरक्षण के प्रयास करें तो भविष्य में ऊर्जा संकट की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कैश वैन लूटकांड का खूनी अंत, मुठभेड़ में एक-एक लाख के इनामी दो बदमाश ढेर

9.10 लाख रुपये, हथियार और कार बरामद, फरार साथियों की तलाश तेज

आरोपी जुबैर

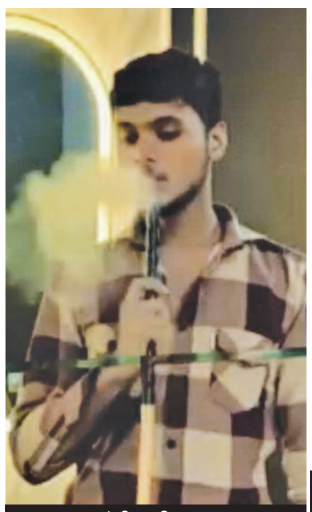
आरोपी समीर खान

घायल पुलिसकर्मी (मुख्य आरक्षी संदीप मलिक)

घायल पुलिसकर्मी (उप निरीक्षक आशीष सिंह)

घायल पुलिसकर्मी (मुख्य आरक्षी तरूण यादव)

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। एनएच-9 पर छह मई को हुई 27 लाख रुपये की सनसनीखेज कैश वैन लूटकांड में गाजियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार देर रात वेव सिटी थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक-एक लाख रुपये के इनामी दो शातिर बदमाश जुबैर अहमद और समीर खान मारे गए। दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल थे। हालांकि उनके दो साथी मौके का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड ने बताया कि छह मई को क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में कैश वैन को निशाना बनाया था। बदमाशों ने पहले फायरिंग कर दहशत फैलाई और फिर कैश वैन से लाखों रुपये लूटकर फरार हो गए थे। घटना के बाद पूरे जिले में अलर्ट जारी कर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि बदमाश करीब 27 लाख रुपये लूटकर ले गए थे। इस हाई प्रोफाइल लूटकांड के खुलासे के लिए पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस यूनिट को लगाया गया था। लगातार तकनीकी जांच और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने 11 मई को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। उस कार्रवाई में पुलिस ने आठ लाख छह हजार रुपये नकद, एक बलेनो कार, तमंचा और कुल्हाड़ी बरामद की थी। इसके बाद फरार बदमाशों की तलाश तेज कर दी गई थी। मंगलवार रात स्वाट टीम और वेव सिटी पुलिस को सूचना मिली कि लूटकांड में शामिल अन्य बदमाश सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार में डासना रोड क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर वाहन चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन बदमाशों ने वाहन रोकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया, जिसके दौरान तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। इसके बाद बदमाश कार से उतरकर पुलिस टीम पर लगातार गोलियां चलाने लगे। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान स्वाट टीम प्रभारी अनिल राजपूत और वेव सिटी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी, जिससे उनकी जान बच गई। वहीं तीन अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल भेजा गया। जवाबी फायरिंग में जुबैर अहमद और समीर खान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके से पुलिस ने 9.10 लाख रुपये नकद, बिना नंबर की स्विफ्ट कार, दो पिस्टल, दो तमंचे, बड़ी संख्या में कारतूस, लूट से जुड़ा बैग तथा सीसीटीवी डीवीआर बरामद किया है। बरामद सामान से यह पुष्टि हुई है कि दोनों बदमाश कैश वैन लूटकांड में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड ने बताया कि लूटकांड में शामिल फरार दो अन्य बदमाशों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पदार्फाश कर दिया जाएगा। इस मुठभेड़ के बाद पुलिस ने जिलेभर में अपराधियों के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि संगठित अपराध और लूट की घटनाओं में शामिल गिरोहों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर में कानून व्यवस्था मजबूत बनी रहे और लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे।

नीट 2026 पेपर लीक से 22 लाख छात्रों के सपने टूटे, माफियाओं पर सर्जिकल कार्रवाई की मांग

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2026 में कथित पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों और अभिभावकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। इस मामले को लेकर इंडियन पेरेंट्स एसोसिएशन (आईपीए) ने केंद्र सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन का कहना है कि पेपर लीक ने 22 लाख से अधिक छात्रों के सपनों को तोड़ दिया है और इस पूरे नेटवर्क पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आईपीए ने आरोप लगाया कि लाखों विद्यार्थियों ने दिन-रात मेहनत करके डॉक्टर बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए नीट 2026 की परीक्षा दी थी। कई छात्रों के परिवारों ने कोचिंग की फीस भरने के लिए अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी खर्च कर दी, तो कुछ परिवारों ने बच्चों के भविष्य के लिए जमीन और घर तक बेच दिए। ऐसे में पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होना छात्रों और अभिभावकों के लिए बेहद दुखद और शर्मनाक स्थिति है।

संगठन का कहना है कि यह केवल एक परीक्षा रद्द होने का मामला नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों, उनके संघर्ष और मानसिक संतुलन पर सीधा आघात है। नीट परीक्षा देने वाले छात्र अब सरकार और व्यवस्था से सवाल पूछ रहे हैं कि क्या मेहनत करने वालों का कोई मूल्य नहीं है और क्या हर साल छात्रों का भविष्य शिक्षा माफियाओं और भ्रष्ट तंत्र के हवाले किया जाता रहेगा।

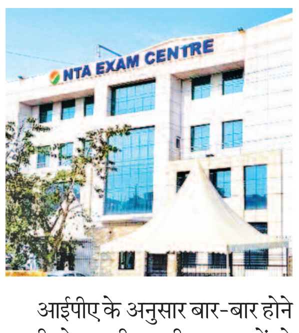

आईपीए के अनुसार बार-बार होने वाली पेपर लीक की घटनाओं ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संगठन का कहना है कि जब कोई संस्था लगातार निष्पक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित परीक्षा कराने में विफल हो रही हो, तो उसके बने रहने का कोई नैतिक आधार नहीं बचता। इंडियन पेरेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा त्यागी ने केंद्र सरकार से मांग की है कि एनटीए को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया जाए और उसकी जगह एक नई, पारदर्शी तथा जवाबदेह परीक्षा एजेंसी का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्था बनाई जानी चाहिए जो आधुनिक तकनीक और सख्त निगरानी व्यवस्था के साथ निष्पक्ष तरीके से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं आयोजित कर सके। वहीं एसोसिएशन के महासचिव महिपाल रावत ने कहा कि बच्चों का भविष्य किसी व्यवस्था की लापरवाही की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक में शामिल सभी व्यक्तियों, गिरोहों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी छात्रों के सपनों के साथ खिलवाड़ करने की हिम्मत न कर सके।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने जनता दर्शन में सुनी जनसमस्यायें, लाभार्थियों ने किया आभार प्रकट

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ की कार्यशैली से जनता का बढ़ रहा विश्वास

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूपत त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। इसी क्रम में मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार 'जनता दर्शन' / जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित हुआ है कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए।

इस दौरान अपनी शिकायतों एवं आवेदनों पर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण होने पर लाभार्थियों द्वारा ने कहा कि हम डीएम साहब का दिल से धन्यवाद करते हैं और जनता से अपील करते हैं कि अपनी समस्याओं/शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु जिलाधिकारी से सम्पर्क करें, आपकी समस्या का जरूर निराकरण होगा। जनता दर्शन में लगातार प्रार्थियों की भीड़ को देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ की कार्यशैली से जनता का शासन प्रशासन पर विश्वास बढ़ रहा है।

जनता दर्शन के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, सिटी मजिस्ट्रेट डॉक्टर संतोष कुमार उपाध्याय, जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, गंगा एवं पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी श्री कुमार सौरभ की अध्यक्षता में आज महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप प्रभागीय वनाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रभाग, गाजियाबाद तथा समितियों के नामित एवं पदेन सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अध्यक्ष द्वारा जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक में सभी कार्यदायी विभागों को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2024-25 में कराए गए वृक्षारोपण स्थलों का सत्यापन जिन विभागों द्वारा अभी तक नहीं कराया गया है, वे शीघ्र ही सत्यापन कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि शासन द्वारा जनपद गाजियाबाद को कुल 8,10,735 पौधों के रोपण का लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसके सापेक्ष भूमि चिन्हांकन एवं अग्रिम मृदा कार्य निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार पूर्ण कराया जाए। जिला गंगा समिति की समीक्षा बैठक के दौरान सिंचाई विभाग एवं राजस्व विभाग को निर्देशित किया गया कि हिण्डन नदी के किनारे यदि कोई बड़ा पैच अथवा खाली भू-भाग उपलब्ध हो तो उसे पौधारोपण हेतु चिन्हित किया जाए। जिला पर्यावरण समिति की बैठक से संबंधित एजेंडा बिंदुओं के अंतर्गत माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में विचाराधीन ओ०ए० संख्या-958/2024, हिमांशु त्यागी बनाम स्टेट ऑफ यू०पी० एवं अन्य, के संबंध में समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पंचायती राज विभाग, नगर निगम, समस्त नगर पालिका परिषदों एवं समस्त नगर पंचायतों को निर्देशित किया गया कि सभी तालाबों के किनारे पौधारोपण कराया जाए। साथ ही समीर एप एवं डस्ट कंट्रोल एप के अंतर्गत प्राप्त समस्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

श्री ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय की अंशु यादव ने किया स्कूल टॉप

विद्यालय की 40 बालिकाओं ने रिकॉर्ड तोड़ सफलता प्राप्त की

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। सीबीएसई का 2025-26 कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय में इस बार का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा तथा विद्यालय की बालिकाओं ने रिकॉर्ड तोड़ सफलता प्राप्त की है। विद्यालय की कुल 429 छात्राओं ने इस वर्ष परीक्षा दी थी जिसमें से 40 से अधिक छात्राओं ने 90% से अधिक अंक प्राप्त करके जिले में विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्कूल टॉपर्स में अंशु यादव तथा अदिति तोमर ने 96.8% अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया। मानवी गौतम ने 95.8% अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा हर्षिता राठौर ने 95.2% अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया। विभिन्न छात्राओं ने 13 विषयों में शत- प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्या एवं विद्यालय परिवार सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

एसटीपी के माध्यम से बायो सीएनजी प्लांट की शुरूआत करने वाला पहला नगर निगम बना गाजियाबाद

वायु गुणवत्ता सुधार को लेकर गाजियाबाद नगर निगम की एक ओर पहल, डूंडाहेड़ा एसटीपी से निकलने वाली हानिकारक गैस का होगा अंत, बनाई जाएगी बायो सीएनजी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

- ट्रिपल पी मॉडल पर कार्य करेगा बायो सीएनजी प्लांट शहर को मिलेगा लाभ निगम को होगी राजस्व की प्राप्ति : नगर आयुक्त
- प्रदूषण हटाओ, पर्यावरण बचाओ हेतु अभियान के रूप में कार्य कर रहा है निगम : महापौर

गाजियाबाद। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार शहर वासियों के लिए पर्यावरण हित में गाजियाबाद नगर निगम अभियान के रूप में कार्य कर रहा है, जिसके क्रम में जल संरक्षण का अभियान हो या फिर जल संचयन का सभी में विभागों के द्वारा योजना के क्रम में कार्य किया जा रहा है इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए कार्यवाही प्रारंभ की है जिसमें डूंडाहेड़ा स्थित 70 MLD एसटीपी प्लांट पर वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट के समय पैदा होने वाली हानिकारक गैस को खत्म करने का कार्य किया जाएगा, जिसके लिए पीपीपी मॉडल पर डुंडाहेडा में बायो सीएनजी पर्यावरण अनुकूल गैस बनाने के लिए प्लांट लगाया जा रहा है जो कि क्षेत्र वासियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा जिसमें गाजियाबाद नगर निगम को भी आय होगी, पीपीपी मॉडल पर वी ए टैक वाबैग द्वारा वेस्ट बायोगैस के माध्यम से बायो सीएनजी बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया जाएगा जिसकी आज गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में औपचारिक शुरूआत की गई है। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की उपस्थिति में महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद तथा वी ए टैक वाबैग के सी ई ओ शैलेश कुमार द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

महापौर सुनीता दयाल द्वारा बताया गया गाजियाबाद नगर निगम देश का पहला नगर निगम है जिसके द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी की अपील के क्रम में वेस्ट बायोगैस से उपयोगी बायो सीएनजी गैस बनाने का कार्य किया जा रहा है जिसकी शुरूआत आज की गई है गाजियाबाद नगर निगम बायो सीएनजी गैस का इस्तेमाल निगम के वाहनों में भी करेगा इसके अलावा मुनाफा के साथ योजना को आगे बढ़ाएगा, महापौर द्वारा शहर वासियों को शुभकामनाएं दी गई।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम जलकल विभाग प्रोजेक्ट के रूप में बायो सीएनजी प्लांट लगाने का कार्य कर रहा है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम का कोई भी व्यय नहीं होगा बल्कि राजस्व की प्राप्ति के लिए योजना बनाते हुए कार्य किया जा रहा है जिसमें डुंडाहेडा स्थित प्लांट जो की 70 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता का है जिसके माध्यम से सीवेज वॉटर ट्रीटमेंट किया जा रहा है, उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए मिथन तथा हाइड्रोजन सल्फाइड गैस को संग्रहित करते हुए बायो सीएनजी गैस बनाने का कार्य किया जाएगा जो की लाभदायक सिद्ध होगी।

70 MLD एसटीपी प्लांट पर वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट के क्रम में कई हानिकारक गैस पैदा होती है जो की हवा में घुल जाती हैं जिस पर लगाम लगाने के लिए जलकल विभाग द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है डूंडाहेड़ा एस टी पी पर बायो सीएनजी प्लांट की शुरूआत की जा रही है जिसको प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है, करदाई संस्था वी ए टेक वेबग लिमिटेड है जिसके द्वारा ट्रिपल पी मॉडल पर कार्य किया जाएगा जहरीली गैस को संग्रहित करते हुए पर्यावरण अनुकूल बनाया जाएगा जिसका उपयोग गाजियाबाद नगर निगम के वाहनों में भी किया जाएगा तथा आगामी कार्यवाही करते हुए बायो सीएनजी को उपयोगी बनाते हुए राजस्व की प्राप्ति भी की जाएगी इस मुहिम से न केवल पर्यावरण को लाभ मिलेगा बल्कि निगम को भी हित होगा,प्रोजेक्ट की सफल होने के बाद अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार की कार्यवाही की जाएगी योजना बनाई जा रही है।

महापौर द्वारा निगम अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए पर्यावरण हित में किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया गया तथा नए प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं भी दी, गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर में विकास कार्यों को करने के साथ-साथ शहर की हवा को सुधारने के लिए भी प्रयासरत है जिसमें योजना बनाते हुए गंदे पानी का ट्रीटमेंट करते हुए जल को भी स्वच्छ बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी और क्षेत्रहित में बायो सीएनजी प्लांट भी लगाया जा रहा है जिसके माध्यम से पर्यावरण अनुकूल गैस का सृजन होगा जिससे क्षेत्र वासियों के साथ-साथ निगम को भी लाभ मिलेगा जो की प्रशंसनीय कार्य है।

प्रोजेक्ट सफल होने के बाद अन्य एस टी पी पर भी इसका प्रयोग कराया जाएगा, उद्यान विभाग लगातार वायु गुणवत्ता सुधार के लिए प्लांटेशन का कार्य कर रहा है वहीं स्वास्थ्य विभाग लगातार पानी छिड़काव का कार्य वृद्धि स्तर पर कर रहा है जलकल विभाग द्वारा ऐसे प्लांट को प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया जा रहा है जिसकी सफल संचालन के उपरांत अन्य क्षेत्र में भी बायो सीएनजी प्लांट लगाने का कार्य किया जाएगा।

हवा में खुली हुई हानिकारक गैस से बायो सीएनजी गैस बनेगी प्रतिदिन लगभग 1700 किलो बायो सीएनजी गैस बनाई जाएगी जिसका इस्तेमाल निगम हित के कार्य में किया जाएगा। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, वी ए टैक वाबैग से समीर शाह, सुबोध कुमार निर्देशक, अक्षत, गोपाल झा, गाजियाबाद प्रोजेक्ट मैनेजर अनुज त्रिपाठी, कमल मेहता व टीम उपस्थित रही।

हार्मोनल गड़बड़ी, अनियमित पीरियड्स और बढ़ता मोटापा बन रहे बड़ी चुनौती: डॉ. सोनिया

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महिलाओं में तेजी से बढ़ रही हार्मोनल समस्याओं के बीच अब पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) को कई विशेषज्ञ 'पीएमओएस' यानी पॉली मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम के रुप में देखने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल प्रजनन संबंधी बीमारी नहीं रह गई है, बल्कि इससे शरीर का पूरा मेटाबॉलिक सिस्टम प्रभावित होता है। फेलिक्स हॉस्पिटल की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया कुरुविला ने बताया कि महिलाओं को सही समय पर जांच और उपचार मिलना बेहद जरूरी है। क्योंकि यह समस्या भविष्य में डायबिटीज, हृदय रोग, बांझपन और मानसिक तनाव जैसी गंभीर स्थितियों का कारण बन सकती है। पहले पीसीओएस को केवल ओवरी से जुड़ी बीमारी माना जाता था, लेकिन अब शोध में यह सामने आया है कि इसका संबंध शरीर के मेटाबॉलिज्म, इंसुलिन रेजिस्टेंस, मोटापे और हार्मोनल असंतुलन से भी है। इसी कारण कई डॉक्टर इसे पीएमओएस कहकर संबोधित कहते हैं। पीसीओएस यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम महिलाओं में होने वाली एक सामान्य हार्मोनल समस्या है। इसमें महिलाओं के शरीर में पुरुष हार्मोन एंड्रोजन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट बनने लगते हैं। इसके कारण अंडोत्सर्जन प्रभावित होता है और मासिक धर्म अनियमित हो जाता है। अब इसे पीएमओएस इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह केवल ओवरी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शरीर के मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करता है। इसमें वजन बढ़ना, इंसुलिन रेजिस्टेंस, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल बढ़ने जैसी समस्याएं भी शामिल हो जाती हैं। बदलती जीवनशैली और खराब खानपान के कारण के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। जंक फूड, अत्यधिक तेल-मसाले वाला भोजन, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा, अत्यधिक तनाव, नींद की कमी, हार्मोनल असंतुलन, आनुवंशिक कारण और इंसुलिन रेजिस्टेंस इसके प्रमुख कारण हैं। किशोरियों और युवा महिलाओं में मोबाइल और लैपटॉप का लंबे समय तक इस्तेमाल तथा घंटों बैठे रहने की आदत भी मोटापा और हार्मोनल गड़बड़ी को बढ़ा रही है। यह कई प्रकार का हो सकता है। इंसुलिन रेजिस्टेंट पीसीओएस सबसे सामान्य प्रकार माना जाता है। जिसमें शरीर इंसुलिन का सही उपयोग नहीं कर पाता और वजन बढ़ने के साथ हार्मोन प्रभावित होने लगते हैं। इंफ्लेमेटरी पीसीओएस में शरीर में सूजन बढ़ने लगती है, जिससे थकान और हार्मोनल असंतुलन की समस्या होती है।

एड्रिनल पीसीओएस में तनाव हार्मोन अधिक बनने लगते हैं। जिससे पीरियड्स प्रभावित होते हैं।। जबकि पोस्ट-पिल पीसीओएस लंबे समय तक गर्भनिरोधक गोलियों के इस्तेमाल के बाद हार्मोनल बदलाव के कारण देखा जाता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह समस्या कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है, जिनमें टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, बांझपन, गर्भावस्था में जटिलताएं, अवसाद, चिंता, फैटी लिवर और स्लीप एपनिया शामिल हैं। लगातार अनियमित पीरियड्स को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। पीसीओएस का इलाज महिला की उम्र, लक्षण और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर किया जाता है। उपचार में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रित करना, हार्मोनल दवाएं, इंसुलिन नियंत्रित करने वाली दवाएं, तनाव कम करने की सलाह और जरूरत पड़ने पर फर्टिलिटी ट्रीटमेंट शामिल हैं। केवल दवाओं से नहीं, बल्कि बेहतर जीवनशैली अपनाकर भी इस बीमारी को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। समय-समय पर हार्मोन और शुगर की जांच कराएं। पीरियड्स अनियमित होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। जागरूकता और समय पर उपचार से महिलाएं इस समस्या के बावजूद स्वस्थ जीवन जी सकती हैं। जरूरत इस बात की है कि महिलाएं अनियमित पीरियड्स, मोटापा और हार्मोनल बदलाव को सामान्य मानकर नजरअंदाज न करें, बल्कि शुरूआती चरण में ही विशेषज्ञ से सलाह लें।

फोनरवा कार्यालय में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आरडब्ल्यूए की समस्याओं के समाधान हेतु फोनरवा कार्यालय में वर्क सर्किल 6 से 10 के अंतर्गत आने वाली आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों तथा नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक फोनरवा कार्यकाल में आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक ए के अरोड़ा, आर पी सिंह, हॉर्टिकल्चर डायरेक्टर आनंद मोहन, राजेंद्र सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक प्रवीण सलोनिया, सतेंद्र गिरी, प्रेम सैन, रविंदर कुमार, रोहित शर्मा, अशोक कुमार, अमरजीत, डोरीलाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा पूर्व में आरडब्ल्यूए के साथ हुई बैठकों में लिए गए निर्णयों एवं उन पर की गई कार्यवाही की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न आरडब्ल्यूए से संबंधित अन्य समस्याओं एवं उनके समाधान पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा तथा उनके शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त की।फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि लंबे समय से लंबित आरडब्ल्यूए विकास कार्यों पर नोएडा प्राधिकरण द्वारा की जा रही कार्यवाही स्वागत योग्य है। फोनरवा महासचिव के. के. जैन ने कहा कि आगामी तीन माह के बाद इन सर्किलों के साथ पुनः बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्राधिकरण द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि शीघ्र ही नोएडा प्राधिकरण के सर्किल 1 से 5 के अंतर्गत आने वाली आरडब्ल्यूए के साथ भी बैठक आयोजित की जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि विभिन्न लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, उमाशंकर शर्मा, एडवोकेट लाटसाहब लोहिया, संजय चौहान, विनोद शर्मा, ओमवीर बंसल, कोशिंदर यादव, भूषण शर्मा, अनिल त्यागी, जयपाल सिंह, सुखबीर सिंह, रंजन कुमार, प्रवेश शर्मा, लता वर्मा, सुभाष भाटी, भगत सिंह तोंगड़, कुलदीप सिंह, अनिल कुमार, दीपक, विपिन गुप्ता, अमित कुमार सहित विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बचपन बचाओ सेवा समिति द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में लगाए जाएंगे शुद्ध पेयजल पियाऊ

नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। भीषण गर्मी को देखते हुए बचपन बचाओ सेवा समिति (एनजीओ) द्वारा नोएडा के औद्योगिक सेक्टर 59, 60, 61, 62, 63, 64 एवं 65 में श्रमिकों, राहगीरों एवं आम नागरिकों के लिए जगह-जगह शुद्ध पेयजल पियाऊ लगाए जा रहे हैं। महासचिव गौरव कुमार यादव ने कहा कि संस्था का उद्देश्य गर्मी के मौसम में लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें राहत मिल सके।इस अभियान के अंतर्गत संस्था के महासचिव गौरव कुमार यादव एवं राष्ट्रीय सचिव अजय सिंह ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश व एसीईओ वंदना त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने संस्था के इस जनहित कार्य की सराहना करते हुए कहा कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा बचपन बचाओ सेवा समिति को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।संस्था के अध्यक्ष कैलाश शाह एवं कोषाध्यक्ष मनोज जायसवाल वह राष्ट्रीय सचिव एमएल यादव, उपाध्यक्ष सुरेश शाह, सुभाष वर्मा यादव ने बताया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में पियाऊ लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है और आने वाले समय में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नोएडा के अन्य क्षेत्रों में भी शुद्ध पेयजल पियाऊ स्थापित किए जाएंगे। संस्था ने सभी सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से अपील की है कि इस तरह के जनसेवा कार्यों में सहयोग करें, ताकि गर्मी के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाई जा सके।

नोएडा सिटीजन फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने कृष्णा करुणेश से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सामाजिक संस्था नौएडा सिटीजन फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश से मुलाकात कर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण जनहित के विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सीईओ ने विषयों को ध्यानपूर्वक समझा और कार्यवाही के आदेश दिए। सिटीजन फोरम द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पत्रों में मुख्य रूप से नौएडा में स्वच्छ पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण, प्रशासनिक पारदर्शिता, जन शिकायत निवारण, अवैध निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, सीवर एवं स्वच्छता व्यवस्था, ग्रामीण विकास, खेल सुविधाओं, लंबित फ्लैट रजिस्ट्री तथा बालिका शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। साथ ही अवैध बैंक्वेट हॉलों को सील किए जाने की मांग भी रखी गई जिसपर सीईओ नौएडा ने कार्यवाही के निर्देश अपने अधीनस्थ को दिए। नौएडा सिटीजन फोरम ने कहा कि नौएडा जैसे आधुनिक शहर में नागरिकों को स्वच्छ जल, सुरक्षित वातावरण, पारदर्शी प्रशासन एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सिंह ने सभी मुद्दों पर समयबद्ध एवं ठोस कार्यवाही की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी विषयों से संबंधित पत्रों को ध्यान पूर्वक पढ़ा एवं कई विषयों पर कार्यवाही हेतु अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया एवं कुछ विषयों पर शीघ्र ही कार्यवाही करने के लिए फोरम को आश्वस्त किया। फोरम ने यह भी कहा कि संस्था सदैव जनहित एवं शहर के समग्र विकास हेतु प्रशासन के साथ सकारात्मक सहयोग के लिए तैयार है। फोरम ने मांग की नौएडा में उच्च टीडीएस युक्त एवं दूषित जल आपूर्ति के विषय में सीईओ नौएडा प्राधिकरण से चर्चा की तथा यह मांग रखी कि गंगाजल मिश्रण एवं जल ट्रीटमेंट के बाद ही जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्राधिकरण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने हेतु

लोकपाल की शीघ्र नियुक्ति, सैक्टर-123 में प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी को अनुचित बताया, जिसपर सीईओ नौएडा प्राधिकरण ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। सैक्टर-150 में इंजीनियर युवराज मेहता मृत्यु प्रकरण की न्यायिक जांच की बात कही गई तथा दोषी अधिकारियों पर भी कार्यवाही की मांग रखी गई। सैक्टर-145 नौएडा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध डंपिंग ग्राउंड बंद किए जाने की बात भी सीईओ के समक्ष रखी।

हजारों फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही हैं जिसे शीघ्र शुरू किया जाए। ग्राम सोहरखा सैक्टर-115 में कम्पोजिट गर्ल्स स्कूल की मांग को भी उठाया गया।इस अवसर पर एनसीएफ की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह, महासचिव प्रशांत त्यागी, सचिव एवं कार्यालय प्रभारी गरिमा त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव, सचिव गिरीश कपूर, राजश्री गुप्ता, विधिक सलाहकार एडवोकेट कमल कौशिक उपस्थित रहे।

दीपिका चौधरी ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किया 97 प्रतिशत अंक, किया जिले का नाम रोशन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली छात्रा दीपिका चौधरी ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में झंडे गाड दिये हैं। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में स्थापित रामीश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा दीपिका ने सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक हासिल करके बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। इस उपलब्धि पर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के तमाम लोग दीपिका चौधरी तथा उनके परिवार को बधाई दे रहे हैं। बता दे की दीपिका चौधरी गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय जाट सांसद सत्यबीर मुखिया की भतीजी हैं और उनके पिता जयसिंह एक सिविल इंजीनियर हैं तथा उनकी माताजी कुमकुम सिंह होम मेकर हैं। आपको बता दें कि पिछले कुछ सालों से सीबीएसई बोर्ड ने 12वीं के रिजल्ट में टॉप-10 बच्चों की रैंकिंग जारी करना बंद कर दिया है। दीपिका चौधरी के रिजल्ट से साफ जाहिर है कि उन्होंने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त करके सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट में ऊंचा स्थान प्राप्त किया है। आपको बता दें कि दीपिका चौधरी ग्रेटर नोएडा के रामईश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा रही है। दीपिका को भूगोल में 100 में से पूरे 100 नम्बर मिले हैं। इसी प्रकार दीपिका को इतिहास में 97, राजनैतिक विज्ञान में 100 में से 96 तथा फिजिकल एजुकेशन में 100 में से 95 नम्बर मिले हैं। दीपिका चौधरी की इस उपलब्धि पर रामईश स्कूल के अध्यापकों, प्रधानाचार्य तथा अभिभावकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 12वीं के परीक्षा परिणाम में रचा नया इतिहास

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

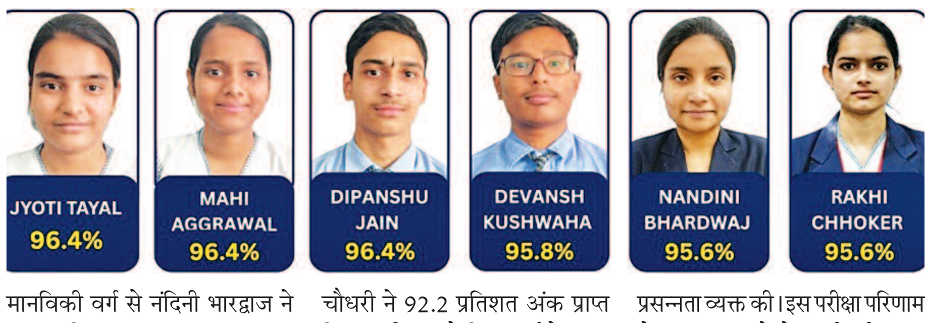

जेवर। सीबीएसई द्वारा घोषित 12वीं के परीक्षा परिणाम में प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से नया इतिहास रचकर विद्यालय एवं अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान प्रज्ञान पब्लिक स्कूल जेवर छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए सतत कार्यरत एवं प्रयासरत है, इसके फलस्वरूप विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

अधिकांश विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।कॉमर्स संकाय की छात्रा ज्योति तायल, माही अग्रवाल एवं छात्र दीपांशु जैन ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रुप से विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं देवांश कुशवाहा ने 95.8 प्रतिशत अंक अर्जित किए। मानविकी वर्ग से नंदिनी भारद्वाज ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की।विज्ञान वर्ग में राखी छोंकर ने 95.6 प्रतिशत, अदिति शर्मा ने 95.2 प्रतिशत तथा ध्रुव कुमार शर्मा, भूमिका एवं हिमांशी ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अन्य प्रमुख विद्यार्थियों में धृति अग्रवाल ने 93.6 प्रतिशत, तुलसी एवं दिया सिंघल ने 93.4 प्रतिशत, गर्वित मित्तल ने 93 प्रतिशत, आकांक्षा गर्ग ने 92.8 प्रतिशत, आस्था गौड़ ने 92.6 प्रतिशत तथा कुमकुम चौधरी ने 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी क्रम में दिव्या गर्ग ने 91.8 प्रतिशत, ऋचा तायल ने 91.6 प्रतिशत, अविका ने 91.4 प्रतिशत, कृष्णा एवं वसुधा ने 91.2 प्रतिशत, राशि गर्ग ने 91 प्रतिशत, काकुल शर्मा एवं कार्तिक गोयल ने 90.8 प्रतिशत, शिवम शर्मा ने 90.6 प्रतिशत तथा मानव शर्मा, अंजलि गुप्ता एवं पीयूष कुमार ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस परीक्षा परिणाम से छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई।

छात्र छात्राओ ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं को मिठाई खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया। विद्यालय के अच्छे परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यालय के प्रबन्धक डॉ. हरीश कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्या डा.दीप्ति शर्मा ने छात्र- छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

दोना बनाने वाले कारीगरों को मिलेगा नि:शुल्क मोटराज्ड दोना मेकिंग मशीन

सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्री गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में नि:शुल्क दोना मेकिंग मशीन हेतु जनपद को मुख्यालय द्वारा 8 नग का वार्षिक लक्ष्य प्राप्त हुआ हैं, उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा नि:शुल्क संचालित टूल किट्स वितरण योजनान्तर्गत परम्परागत कारीगरों एवं उद्योग में रुचि रखने वाले प्रशिक्षण प्राप्त एवं अनुभवी व्यक्ति कार्य करने वाले इच्छुक उद्यमियों को नि:शुल्क मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन देकर स्वरोजगार उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। दोना बनाने वाले इच्छुक कारीगर/उद्यमी बोर्ड की वेबसाइट नचाअपइण्हवअण्पद की ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन टूल किट्स हेतु पंजीकरण कर सकते है और पंजीकरण करने की अन्तिम तिथि 25.05.2026 निर्धारित की गयी है, आवेदन ऑनलाइन उपरान्त हार्ड कापी कार्यालय में जमा किया जाना है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन पत्र स्वीकार्य नही किया जायेगा।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह का हुआ प्रसंग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। श्री राधावल्लभ मंदिर ग्राम झटटा सेक्टर 159 नोएडा में श्री श्री 1008 श्री किशोरी शरण जी महाराज बाबा सूरदास जी की कृपा से चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण के छटे दिवस श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का प्रसंग सुनाया गया। कथा वाचक पंडित श्री राकेश शास्त्री जी ने रास पांच अध्याय का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है वह भव पार हो जाता है।

उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस का वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, कालयवन का वध, उधव गोपी संवाद, ऊधव द्वारा गोपियों को अपना गुरु बनाना, द्वारका की स्थापना एवं रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया गया। कथा के दौरान आचार्य ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आ'ान किया और महारास लीला के द्वारा ही जीवात्मा परमात्मा का ही मिलन हुआ।

जीव और ब्रह्म के मिलने को ही महारास कहते है। श्रीमद्भागवत कथा के छटे दिन का भंडारा सुंदर भाटी सुपुत्र चौधरी बेगराज भाटी परिवार के द्वारा हुआ। अंत मे श्रीमद्भागवत भगवान की आरती हुई और प्रशाद वितरण हुआ। इस पावन भक्ति ज्ञान यज्ञ के महोत्सव पर रोहताश चौहान, बाबूराम चौहान, दयाराम (एडवोकेट), जितेन्द्र चौहान (एडवोकेट), राजपाल भाटी, शेर सिंह, ईश्वर भाटी, ओमवीर, सुभाष भाटी, फूलसिंह, हरिराम, चेतन शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सलाम नमस्ते में जूनियर आर-जे कैंप की शुरूआत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते 90.4 में जूनियर आर-जे कैंप की शुरूआत की गई। संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा एवं गाजियाबाद के स्कूलों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सलाम नमस्ते इस कैंप को 13 मई से 30 जून तक आयोजित करेगा, जिसमें बच्चों को रेडियो जगत की तकनीकी एवं रचनात्मक बारीकियों की जानकारी दी जाएगी। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि सलाम नमस्ते पिछले पांच वर्षों से धूम पिचक धूम नाम से जूनियर आर-जे कार्यक्रम का सफल आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सामुदायिक रेडियो के माध्यम से प्रोग्राम प्रस्तुति, रेडियो विज्ञापन, जिंगल, वॉइस ओवर, स्क्रिप्ट लेखन, वॉइस मॉड्यूलेशन, एंकरिंग, माइक हैण्डलिंग एवं डिक्शन जैसी तकनीकी जानकारियों से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि बुधवार को इस कार्यक्रम के लिए 12 छात्रों ने ऑडिशन दिया जिनमें से 6 छात्रों का चयन उनकी भाषा शैली, आवाज एवं उच्चारण के आधार पर जूनियर आर-जे के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागियों को रेडियो प्रसारण, संचार कौशल एवं रचनात्मक गतिविधियों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा रेडियो जगत को करीब से समझने का अवसर प्राप्त किया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 60 अनाधिकृत बसों के चालान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। सड़क परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नियमबद्ध बनाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर बड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की।

जनपद गौतमबुद्धनगर के परी चौक क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से संचालित बसों के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए 60 बसों के चालान किए गए, जबकि 54 बसों को सीज कर दिया गया।

यह अभियान डॉ. सिया राम वर्मा, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गाजियाबाद के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान गाजियाबाद संभाग के प्रवर्तन अधिकारियों की टीम ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर बिना परमिट और बिना वैध दस्तावेजों के संचालित बसों की गहन जांच की।

जांच के दौरान कई बसें बिना परमिट संचालन करती हुई पाई गईं, जबकि कुछ बसों में ओवरलोडिंग, निर्धारित स्थानों के अलावा अन्य जगहों पर सवारी चढ़ाने-उतारने और यातायात नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर अनियमितताएं भी सामने आईं। इन सभी मामलों में कार्रवाई करते हुए संबंधित बसों के खिलाफ मोटर वाहन कानूनों के तहत चालान किए गए।

अभियान के दौरान केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम और उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाली 60 बसों के चालान किए गए और 54 वाहनों को निरुद्ध (सीज) किया गया। इस कार्रवाई के तहत कुल लगभग 21 लाख रुपये का प्रशमन शुल्क भी आरोपित किया गया।

सीज की गई बसों को मोरना बस डिपो और कासना बस डिपो में खड़ा कराया गया है। अभियान के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बस चालकों और परिचालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने तथा सभी वैध दस्तावेजों के साथ ही वाहनों का संचालन करने के निर्देश दिए।

प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि अनाधिकृत बसों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। इसके साथ ही यह वैध रूप से संचालित परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए ऐसे वाहनों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रखी जाएगी। इस संबंध में डॉ. सिया राम वर्मा ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान केवल अधिकृत और परमिटधारी वाहनों का ही उपयोग करें। यदि कहीं भी अनियमित या अवैध रूप से संचालित वाहन दिखाई दें, तो इसकी सूचना तुरंत परिवहन विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर सड़क सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

सम्पादकीय

आर्थिक आपातकाल के आसार

क्या भारत एक संभावित आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है? क्या देश में ऐसी परिस्थितियां बन सकती हैं, जहां सरकार को कठोर आर्थिक कदम उठाने पड़ें? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि हाल के समय में प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से बचत करने, अनावश्यक खर्च कम करने और आयात घटाने की अपील की गई है। इस अपील के पीछे छिपे संकेतों को समझना जरूरी है। दरअसल, देश की आर्थिक स्थिति का आकलन करने वाली कई प्रमुख संस्थाओं—भारतीय रिजर्व बैंक, मूडीज, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स, विश्व बैंक, फिच और एशियाई विकास बैंक—ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की विकास दर के अनुमान को कम कर दिया है। इसका अर्थ यह है कि देश की आर्थिक गति पहले की तुलना में धीमी हो सकती है। जब वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएं विकास दर में गिरावट की बात करती हैं, तो इसे आर्थिक दबाव के शुरूआती संकेतों के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री ने भी यह स्वीकार किया है कि वैश्विक परिस्थितियां गंभीर हैं। जिस प्रकार कोरोना महामारी पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा संकट थी, उसी प्रकार वर्तमान समय में पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। युद्ध और उससे जुड़े तनावों का सीधा असर ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और मुद्रा बाजार पर पड़ता है। भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयात पर निर्भर है, विशेष रूप से कच्चे तेल और सोने के मामले में। देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग अस्सी प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इसी तरह सोने का भी बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से आता है। इन दोनों वस्तुओं का भुगतान मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। जब आयात बढ़ता है और डॉलर में भुगतान करना पड़ता है, तो विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। युद्ध की शुरूआत के समय भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग सात सौ बीस अरब डॉलर के आसपास था, लेकिन कुछ ही हफ्तों में इसमें उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यही कारण है कि सरकार अनावश्यक आयात कम करने और विदेशी मुद्रा की बचत पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री द्वारा एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील भी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। इसी बीच भारतीय मुद्रा रुपये में भी कमजोरी देखी गई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट आने से आयात और महंगे हो जाते हैं। इसका सीधा असर पेट्रोलियम उत्पादों, उर्वरकों और खाद्य तेल जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से देश को हर दिन अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है, जिससे आयात बिल और सरकारी व्यय दोनों बढ़ते जा रहे हैं।

ब्राह्मण विरोध बहाना, सनातन हिंदू धर्म है असली निशाना

अभय प्रताप सिंह चौहान
पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

हाल ही में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समुदाय के विरुद्ध की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी ने केवल एक जाति का अपमान नहीं किया है, बल्कि उस सनातन संस्कृति की मयार्दा पर चोट की है जिसने सदियों से इस देश को वैचारिक और आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान किया। 'वैश्या' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर ब्राह्मणों को लांछित करना, आधुनिक राजनीति की उस विकृत मानसिकता का परिचायक है जो वोट बैंक के लिए समाज को बांटने और अपनी जड़ों को खोखला करने पर उतारू है। यह मात्र एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि उस निरंतर जारी 'नफरती नैरेटिव' की अगली कड़ी है, जिसका मूल लक्ष्य ब्राह्मणों को कमजोर कर अंततः संपूर्ण हिंदू धर्म की रक्षा पंक्ति को ध्वस्त करना है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब किसी विदेशी आक्रांता ने भारत की धरती पर कदम रखा, उसका पहला प्रहार ब्राह्मणों पर ही हुआ। इसका कारण अत्यंत स्पष्ट था: ब्राह्मण समाज हिंदू धर्म की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का संरक्षक रहा है। मुगलों से लेकर अंग्रेजों तक, हर शत्रु यह जानता था कि यदि किसी सभ्यता को समूल नष्ट करना है, तो उसके रक्षकों और ज्ञान-परंपरा के संवाहकों को समाप्त करना होगा।

गजनी, गोरी, बाबर और औरंगजेब जैसे आक्रांताओं ने जब हिंदुत्व को मिटाने का प्रयास किया, तो उन्होंने ब्राह्मणों के जनेऊ और शिखा को अपनी जीत का पैमाना बनाया। औरंगजेब की क्रूरता की पराकाष्ठा यह थी कि वह ब्राह्मणों के जनेऊ के वजन से उनके नरसंहार की भयावहता को मापता था। उसका मानना था कि यदि ब्राह्मणों का धर्मांतरण करा लिया गया, तो शेष हिंदू समाज का आत्मसमर्पण सुनिश्चित हो जाएगा। इसी प्रकार, 1790 में टीपू सुल्तान द्वारा कर्नाटक के मेलकोट में दिवाली की रात 800 ब्राह्मणों का सामूहिक कत्लेआम किया जाना, इतिहास का वह काला अध्याय है जिसकी टीस आज भी वहां की दिवाली न मनाकर महसूस की जाती है। नालंदा और तक्षशिला जैसे महान विश्वविद्यालयों का विनाश केवल इमारतों का गिरना नहीं था, बल्कि वह उस शिक्षा पद्धति पर प्रहार था जो भारत को 'विश्वगुरु' बनाती थी और जिसके

मूल में ब्राह्मण थे। अंग्रेजों के शासनकाल में लॉर्ड मैकाले ने इसी रणनीति को आगे बढ़ाया। उसने स्वीकार किया था कि यदि भारत के मानसिक गुलाम तैयार करने हैं, तो उस वर्ग को नष्ट करना होगा जो समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। मैकाले के माध्यम से अंग्रेजो ने योजनाबद्ध तरीके से ब्राह्मणों को 'बाहरी' और 'शोषक' घोषित करने वाली थ्योरी गढ़ी, ताकि समाज के अन्य वर्गों को उनके विरुद्ध खड़ा किया जा सके। विडंबना देखिए, जिस ब्राह्मण समाज को आज गाली दी जा रही है, उसी ब्राह्मण समाज ने स्वतंत्रता की वेदी पर सर्वाधिक बलिदान दिए। 1857 की क्रांति की पहली मशाल जलाने वाले मंगल पांडेय ब्राह्मण थे। अंग्रेजों के मन में भय का पर्याय बने चंद्रशेखर आजाद ब्राह्मण थे। चाहे वह लोकमान्य तिलक का 'स्वराज' का उद्घोष हो या वीर सावरकर का हिंदुत्व का संकल्प, राष्ट्रधर्म के लिए सर्वस्व न्योछावर करने में यह समाज सदैव अग्रणी रहा। लेकिन स्वतंत्रता के पश्चात, वामपंथी इतिहासकारों और 'सेक्यूलर' राजनीति ने इन बलिदानों को विस्मृत कर ब्राह्मणों को केवल 'पाखंडी' और 'पोंगा-पंडित' के रूप में सिनेमा और साहित्य के माध्यम से प्रचारित किया। ब्राह्मणों का योगदान केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा। जब विश्व अंधकार में था, तब महर्षि वशिष्ठ, भृगु और अगस्त्य ने ज्ञान की ज्योति जलाई। ज्योतिष और खगोल विज्ञान में महर्षि पराशर, स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में महर्षि चरक, सुश्रुत और पतंजलि जैसे नाम आज भी आधुनिक विज्ञान के लिए आधार स्तंभ हैं। राष्ट्र की अखंडता के लिए अपनी अस्थियां दान करने वाले दधीचि हों या शस्त्र और शास्त्र का समन्वय करने वाले भगवान परशुराम और बाजीराव पेशवा, इस समाज ने कभी अपनी जाति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और धर्म के लिए त्याग किया। आज की राजनीति में ब्राह्मणों को निशाना बनाना एक सुरक्षित और फायदेमंद रणनीति मान ली गई है। राजकुमार भाटी जैसे नेताओं के बयान उसी मुगलकालीन मानसिकता का विस्तार हैं। आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार, गुरुजी गोलवलकर, 'एक विधान-एक निशान' के लिए बलिदान देने वाले डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी हों या राजनीति के हिंदूकरण और हिंदुओं के सैनिकीकरण की बात करने वीर सावरकर भी ब्राह्मण थे जिन्होंने हिंदुओं को संगठित करने और भारत को परम वैभव पर ले जाने का स्वप्न देखा था। हिंदू समाज के अन्य वर्गों क्षत्रिय, वैश्य और पिछड़ों को यह समझना होगा कि ब्राह्मणों पर हो रहे ये प्रहार केवल एक जाति तक सीमित नहीं रहेंगे। यह एक बड़ी योजना का हिस्सा है। आज यदि आप ब्राह्मणों के अपमान पर मौन हैं तो कल निशाना अन्य जातियां भी होंगी। लक्ष्य किसी एक जाति का उन्मूलन नहीं बल्कि संपूर्ण हिंदू धर्म का विखंडन है।

राजकुमार भाटी जैसे 'जातिवादी जहरीले कीड़ों' का विरोध केवल ब्राह्मणों का दायित्व नहीं है, बल्कि यह हर उस व्यक्ति का कर्तव्य है जो सनातन और राष्ट्र में आस्था रखता है। हमें यह पहचानना होगा कि ब्राह्मणों ने जो त्याग और समर्पण किया, वह अपनी जाति के लिए नहीं बल्कि केसरिया ध्वज और भारत माता की आन के लिए था। यदि समाज की यह बौद्धिक और आध्यात्मिक रक्षा पंक्ति कमजोर हुई, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक दिशाहीन और विभाजित भविष्य के सिवा कुछ शेष नहीं बचेगा।

समय आ गया है कि हम इन विभाजनकारी ताकतों को उनके ही स्वर में जवाब दें और यह स्पष्ट करें कि सनातन धर्म के किसी भी अंग पर प्रहार, संपूर्ण हिंदू समाज पर प्रहार माना जाएगा। राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए हमें एकजुट होकर इस नफरती नैरेटिव का अंत करना होगा।

ब्राह्मण

नीति में विदुर, रण में परशुराम,
शक्ति में ऐरावत, सामर्थ्य में वशिष्ठ,
बलिदान में दधीचि, दान में बलि,
गणित में आर्यभट्ट, संस्कृत में पाणिनी,
वैद्यों में धनवंतरी, शास्त्रार्थ में शंकराचार्य,
संगठन में चाणक्य, क्रांति में मंगल,
कलम में तुलसी, खड्ग में बाजीराव,
पत्रों में केसरी, पंक्तियों में सावरकर,
संगीत में तानसेन, समर में चंद्रशेखर,
कवियों में भूषण, धन में कुबेर,
युगों युगों से रहा है ब्राह्मणों का तेज।।

अर्पित मिश्रा

14 से 16 मई तक ग्रेटर नोएडा में होगा भारत शिक्षा एक्सपो-2026 का आयोजन

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 14 से 16 मई 2026 तक भारत शिक्षा एक्सपो 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सही कोर्स, कॉलेज और करियर चयन के लिए व्यापक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे ने बताया कि कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद लाखों विद्यार्थी अपने भविष्य से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण निर्णय—कोर्स, कॉलेज और करियर—के चयन की प्रक्रिया में लग जाते हैं। ऐसे समय में भारत शिक्षा एक्सपो 2026 विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए करियर काउंसलिंग, शिक्षा मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा के अवसरों की जानकारी देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

उन्होंने बताया कि यह एक्सपो भारत और विदेशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों की स्पष्ट और विश्वसनीय जानकारी देने के उद्देश्य से तैयार किया गया एक 'वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म' है। विशेष रूप से कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को तैयार किया गया है, ताकि वे उपयुक्त कॉलेज, विश्वविद्यालय और प्रोफेशनल कोर्स के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। साथ ही कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र भी यहां आकर स्ट्रीम चयन और भविष्य के करियर विकल्पों के बारे में विशेषज्ञों से व्यक्तिगत परामर्श प्राप्त कर सकेंगे।

इस आयोजन के साथ फेडरेशन ऑफ एजुकेशन इन इंडिया (एफओईआईआई) की साझेदारी में 'विश्व गुरु सम्मेलन' का भी आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर का संवाद मंच होगा, जिसमें भारत की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलाव, नवाचार और वैश्विक ज्ञान नेतृत्व की दिशा में उसकी प्रगति पर चर्चा की जाएगी।

एक्सपो में देश और विदेश के प्रमुख विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्कूल, एडटेक कंपनियां, स्किल डेवलपमेंट संस्थान, स्टडी-अब्रॉड कंसल्टेंट और शिक्षा सेवा प्रदाता भाग लेंगे।

यह समय अपने हितों के लिए धरना-प्रदर्शनों का नहीं : सार्वभौम मानवता के रक्षण का है

सुदर्शन डोबरियाल (धर्म क्रांति)
वैश्विक सामाजिक/राजनैतिक अनालिस्ट

सभ्यता के निर्णायक मोड़ पर खड़ा विश्व, इक्कीसवीं शताब्दी का तीसरा दशक मानव इतिहास के उन संक्रमणकालों में गिना जाएगा, जहाँ विज्ञान अपनी चरम प्रगति पर है, किन्तु मानवता अपने भीतर गहरे भय, असुरक्षा और विभाजन को अनुभव कर रही है। विश्व के विभिन्न भागों में चल रहे युद्ध, सामरिक तनाव, आर्थिक प्रतिबंध, वैचारिक संघर्ष, धार्मिक कट्टरता, साइबर आक्रमण, जैविक सुरक्षा की आशंकाएँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सूचना-युद्ध और वैश्विक शक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि विश्व व्यवस्था एक नए उथल-पुथल के दौर में प्रवेश कर चुकी है।

ऐसे समय में यदि समाज केवल अपने सीमित राजनीतिक, आर्थिक अथवा समूहगत हितों के लिए आंदोलनों, अराजक धरनों और टकरावों में उलझ जाए, तो वह अनजाने में उन शक्तियों को लाभ पहुँचा सकता है जो विश्व को अस्थिर देखना चाहती हैं। अतः आज आवश्यकता केवल अधिकारों की राजनीति की नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, राष्ट्रीय एकता और वैश्विक संतुलन के संरक्षण की है।

भारत, जो एक ओर विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति है और दूसरी ओर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की संस्कृति का वाहक है, उसके सामने यह चुनौती और भी बड़ी है कि वह आंतरिक मतभेदों के बीच भी राष्ट्रीय चेतना को अक्षुण्ण रखे।

वैश्विक परिदृश्य के अनुसार तो युद्ध, गठबंधन और शक्ति-संतुलन का संकट

विश्व राजनीति आज पुनः गुटों में विभाजित होती दिखाई दे रही है। एक ओर पश्चिमी शक्तियाँ हैं, दूसरी ओर रूस-चीन धुरी, और इनके बीच अनेक राष्ट्र अपनी सामरिक तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए नए गठबंधन बना रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक विश्व में युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव ऊर्जा संकट, खाद्य आपूर्ति, मुद्रास्फीति, साइबर सुरक्षा और वैश्विक व्यापार तक पहुँचता है। यूरोप में नाटो की सक्रियता और रूस की सामरिक प्रतिक्रिया ने शीतयुद्ध जैसी परिस्थितियों को पुनर्जीवित कर दिया है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों ने धार्मिक और भू-राजनीतिक तनावों को तीव्र बनाया है। समुद्री व्यापार मार्गों पर खतरे बढ़ रहे हैं। लाल सागर, हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में सैन्य गतिविधियाँ यह दशार्ती हैं कि विश्व की महाशक्तियाँ केवल विचारधारा नहीं, बल्कि संसाधनों और सामरिक नियंत्रण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। चीन का ताइवान के प्रति कठोर रुख, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसकी आक्रामक समुद्री नीति और सीमा क्षेत्रों में सैन्य ढाँचे का विस्तार एशिया को संभावित संघर्ष क्षेत्र बना रहा है। इसी प्रकार उत्तर कोरिया की मिसाइल गतिविधियाँ तथा परमाणु क्षमता का विस्तार भी वैश्विक चिंता का विषय हैं। इन परिस्थितियों में अनेक अंतरराष्ट्रीय सन्धियाँ—चाहे वे रक्षा समझौते हों, व्यापारिक गठबंधन हों या तकनीकी साझेदारियाँ—अब केवल सहयोग के साधन नहीं रह गईं; वे शक्ति-संतुलन और दबाव की राजनीति के उपकरण बनती जा रही हैं। इजराईल और ईरान के भीषण युद्ध के बीच अमेरिका का अपनी सैन्य तथा तकनीक का भरपूर प्रयोग करना केवल इरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकना केवल एक भ्रम प्रतिबिम्बित करना है, वास्तविक विचार सम्पूर्ण एशिया महादीप में अपना संतुलन बनाकर भारत के पडोसी राष्ट्रओं को अपने प्रभाव में लाकर एक नवीन गुट का निर्माण कर भारत के विकास की गति अवरुद्ध करना अधिक प्रतीत होता है।

भारत आज विश्व राजनीति में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा उत्पादन, जनसंख्या शक्ति और रणनीतिक स्थिति ने भारत को वैश्विक केंद्र बना दिया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी शक्तियाँ भारत को अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहती हैं।

किन्तु किसी भी उभरते राष्ट्र के सामने सबसे बड़ा खतरा बाहरी आक्रमण से अधिक आंतरिक अस्थिरता होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत को जितनी हानि बाहरी शक्तियों ने पहुँचाई, उससे अधिक हानि आंतरिक विभाजन, आपसी संघर्ष और राजनीतिक स्वार्थों ने पहुँचाई।

आज भारत में लोकतंत्र के नाम पर निरंतर संघर्ष, सड़क आधारित राजनीति, सामाजिक ध्रुवीकरण और डिजिटल प्रचार-युद्ध की प्रवृत्ति बढ़ती दिखाई देती है। लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, परन्तु जब विरोध राष्ट्रहित से ऊपर उठकर अराजकता, हिंसा अथवा विदेशी हितों के लिए उपयोगी बनने लगे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दुर्बलता बन जाता है।

संदिग्ध वैश्विक प्रभाव और भारत में अस्थिरता के संकेत भी स्पष्ट परिलक्षित हो रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सैनिक युद्ध नहीं है। आज 'हाइब्रिड वॉरफेयर' अर्थात मिश्रित युद्ध का युग है, जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, साइबर हमले, आर्थिक दबाव, वैचारिक अभियान और सामाजिक विभाजन सभी हथियार के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

भारत में समय-समय पर ऐसी घटनाएँ सामने आती रही हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण, डिजिटल प्रचारतंत्र, संगठित दुष्प्रचार अथवा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्कों की भूमिका पर प्रश्न उठते रहे हैं। यद्यपि लोकतांत्रिक समाज में असहमति स्वाभाविक है, किन्तु जब विरोध की भाषा राष्ट्रविरोधी कथनों, हिंसा, धार्मिक उन्माद या विभाजनकारी नारों में परिवर्तित होने लगे, तब उसकी निष्पक्ष जाँच आवश्यक हो जाती है। विश्व के अनेक देशों ने यह अनुभव किया है कि विदेशी शक्तियाँ सामाजिक असंतोष को बढ़ाकर राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न करने का प्रयास करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल मंचों के माध्यम से अफवाहें, मनोवैज्ञानिक अभियान तथा वैचारिक ध्रुवीकरण अब अत्यंत प्रभावी हथियार बन चुके हैं। भारत में भी सोशल मीडिया के माध्यम से जातीय, धार्मिक और क्षेत्रीय तनावों को उकसाने की प्रवृत्तियाँ समय-समय पर देखी जाती हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बन चुकी है। राज्यों में वैचारिक कट्टरता और विघटनकारी प्रवृत्तियाँ एक नये संघर्ष की ओर संकेत करती हैं। भारत विविधताओं का राष्ट्र है। यहाँ अनेक भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धार्मिक परंपराएँ हैं। यही विविधता उसकी शक्ति भी है और यदि सावधानी न बरती जाए तो दुर्बलता भी बन सकती है। कुछ क्षेत्रों में कट्टरपंथी संगठनों की गतिविधियाँ, अलगाववादी विचारधाराएँ, विदेशी प्रभाव से प्रेरित वैचारिक अभियान तथा सांप्रदायिक तनाव राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बनते रहे हैं। यह आवश्यक है कि किसी भी समुदाय को सामूहिक रूप से दोषी न ठहराया जाए, किन्तु कट्टरता और हिंसक विचारधारा के प्रति शून्य सहिष्णुता भी उतनी ही आवश्यक है। धर्म के नाम पर उग्रवाद, जाति के नाम पर संघर्ष और क्षेत्रीय पहचान के नाम पर राष्ट्रविरोधी भावना—ये सभी आधुनिक भारत के सामने गंभीर प्रश्न हैं। यदि इनका समाधान संवाद, शिक्षा और सशक्त प्रशासन से न किया गया, तो बाहरी शक्तियाँ इन्हें भारत के विरुद्ध उपयोग करने का प्रयास कर सकती हैं। राजनीति, विदेशी प्रभाव या विचारधारा और लोकतांत्रिक प्रणाली के उन्नन्मूलन में कितनी सहायक है यह हम बंगाल के 2026 के चुनावी वातावरण और उसके नतीजों के आने तक की काल अवधि से भली भांति समझ सकते हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। किन्तु जब राजनीति राष्ट्रहित के स्थान पर केवल चुनावी लाभ तक सीमित हो जाए, तब लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होने लगती है। समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं पर विदेशी मंचों से समर्थन प्राप्त करने, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत की छवि पर विवाद उत्पन्न करने अथवा विदेश नीति पर घरेलू राजनीति करने के आरोप लगते रहे हैं। इन विषयों पर अक्सर तीखी बहस होती है। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परन्तु राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर एक न्यूनतम सहमति भी उतनी ही आवश्यक है।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तब तक स्वस्थ है जब तक वह राष्ट्र की स्थिरता को प्रभावित न करे। यदि चुनावी राजनीति जातीय विभाजन, धार्मिक ध्रुवीकरण और सामाजिक विद्वेष को बढ़ाने लगे, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को ही कमजोर कर देती है।

विश्व युद्ध की सम्भावनाएँ : क्या मानवता फिर उसी मोड़ पर है?

इतिहास बताता है कि विश्व युद्ध अचानक नहीं होते; वे धीरे-धीरे बनते तनावों, गठबंधनों, आर्थिक प्रतिस्पधाओं और वैचारिक संघर्षों का परिणाम होते हैं।

आज विश्व में जो परिस्थितियाँ दिखाई देती हैं, वे कई दृष्टियों से चिंताजनक हैं– परमाणु शक्तियों के बीच बढ़ता अविश्वास, ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की होड़, समुद्री व्यापार मार्गों पर तनाव, साइबर युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, धार्मिक और वैचारिक उग्रवाद, आर्थिक प्रतिबंधों के माध्यम से राष्ट्रों को कमजोर करने की नीति, वैश्विक चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के आरोप, सूचना युद्ध और डिजिटल प्रचार, यदि इन परिस्थितियों में कोई बड़ी सामरिक भूल होती है, तो उसका प्रभाव क्षेत्रीय संघर्ष से बढ़कर वैश्विक युद्ध का रूप ले सकता है।

विश्व युद्ध अब केवल सैनिक मोर्चों पर नहीं लड़ा जाएगा; यह अर्थव्यवस्था, इंटरनेट, अंतरिक्ष, जैविक अनुसंधान, जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा तक फैलेगा। आधुनिक युद्ध में नागरिक भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होंगे। चीन भारत के लिए केवल सीमा विवाद का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और तकनीकी चुनौती भी है। सीमा क्षेत्रों में आधारभूत ढाँचे का निर्माण, हिंद महासागर में बढ़ती उपस्थिति, साइबर क्षमताएँ और दक्षिण एशिया में प्रभाव विस्तार उसकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद और अस्थिरता के संदर्भ में भारत की सुरक्षा चुनौती रहा है। कट्टरपंथी तत्वों और आतंकवादी नेटवर्कों की गतिविधियाँ क्षेत्रीय शांति के लिए गंभीर खतरा हैं। नेपाल की नवीन सरकार भी छुपे रूप में चीन के प्रभाव में दिखाई देती है। बालेन्द्र शाह का प्रधानमंत्री बनते ही विश्व के बड़े राष्ट्र अध्यक्षों के समान भाव रखना अवश्य ही अभिमानी होना है किन्तु उनके अधिनिष्ठ जनों के प्रति उनके हाव भाव तथा बड़बोलापन, विशेषकर भारत के सन्दर्भ में किसी मायाजाल के बुने जाने का ही संकेत है। भारत की सीमा में बांग्लादेश की वायुसेना द्वारा पाकिस्तान की सह पर गुप्तचरी करना, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चुनाव हारने के बाद भी पद पर टिके रहने की प्रतिज्ञा के समय ही बांग्लादेश के मुस्लिम कटटरपंथी पार्टी के नेता द्वारा ममता बनर्जी को आजाद बंगाल का सुझाव देने का साहस करना भी षड्यंत्र की किसी पूर्व संरचना का ही आभास कराता है। आधुनिक युग में साइबर हमले किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा व्यवस्था, बैंकिंग प्रणाली, संचार नेटवर्क और रक्षा तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं। भारत जैसे डिजिटल राष्ट्र के लिए यह चुनौती अत्यंत गंभीर है। वैचारिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध से भारतीयों को पर्थक करना भी अत्यंत सरल साधन प्रतीत हो रहा है।

विदेशी प्रचारतंत्र, सोशल मीडिया अभियानों और दुष्प्रचार के माध्यम से समाज में अविश्वास और विभाजन उत्पन्न करना आधुनिक युद्ध का नया स्वरूप है।

समुद्री सुरक्षा

हिंद महासागर भारत की सामरिक जीवनरेखा है। यदि समुद्री मार्गों में अस्थिरता बढ़ती है, तो भारत की ऊर्जा और व्यापारिक सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। भारत के पास केवल सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक शक्ति भी है। भारतीय दर्शन सदैव संतुलन, सह-अस्तित्व और मानवता की रक्षा की बात करता है।

'अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥'

अर्थात संकीर्ण बुद्धि वाले लोग 'अपना' और 'पराया' का भेद करते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले समस्त पृथ्वी को परिवार मानते हैं।

किन्तु 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का अर्थ यह नहीं कि राष्ट्र अपनी सुरक्षा के प्रति उदासीन हो जाए। शांति की रक्षा के लिए शक्ति आवश्यक है। इसलिए भारत को आत्मनिर्भर रक्षा व्यवस्था, तकनीकी नवाचार, मजबूत सीमाएँ, सामाजिक एकता और वैचारिक स्पष्टता की आवश्यकता है।

मानवता का रक्षण ही सर्वोच्च राष्ट्रधर्म

आज जब विश्व अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, तब भारत को केवल राजनीतिक संघर्षों का मैदान नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन और मानवता की रक्षा का केंद्र बनना होगा।

यह समय केवल अपने सीमित हितों, जातीय राजनीति, धार्मिक उन्माद अथवा निरंतर टकरावों का नहीं है। यह समय राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता और वैश्विक उत्तरदायित्व का है। धरना, विरोध और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा हैं, किन्तु यदि वे राष्ट्र को दुर्बल करें, समाज को विभाजित करें और बाहरी शक्तियों के लिए अवसर उत्पन्न करें, तो उनका पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है।

भारत को आज ऐसे नेतृत्व, ऐसी राजनीति और ऐसे नागरिक समाज की आवश्यकता है जो यह समझ सके कि आने वाला युग केवल शक्ति का नहीं, बल्कि सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। कदाचित यह वर्तमान का लक्ष्य भी दिखाई देता है। किन्तु इस लक्ष्य का भेदन अब तभी संभव है जब, इस प्रगट होते वैश्विक संकट में हम अपनी सरकार के द्वारा अनन्यन समूहों के संदर्भ में बने कानूनों की अपेक्षा देश की संप्रभुता और सुरक्षा के विषयों पर सार्वधिक चिंतन, विश्लेषण तथा चर्चा कर सहभागिता करें। बाकी विषय आने वाले शांति काल तक स्थगित करना ही हितकर प्रतीत होता है।

यदि मानवता बची रहेगी, तभी लोकतंत्र, अधिकार, राजनीति और विकास भी सुरक्षित रहेंगे। इसलिए वर्तमान समय का सबसे बड़ा संदेश यही है–

'राष्ट्र की एकता, मानवता की रक्षा और वैश्विक संतुलन–यही इक्कीसवीं शताब्दी का सर्वोच्च धर्म है।'

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
RNI No. : UPHIN/2022/84480
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001 Phone : 0120-4252839

सेहत/स्वास्थ्य

बच्चों में लो बीपी के लक्षणों को न करें इग्नोर, हो सकते हैं गंभीर परिणाम

लो ब्लड प्रेशर को हाइपोटेंशन भी कहा जाता है। बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। हालांकि बड़ों की तुलना में बच्चों में यह समस्या कम होती है। लेकिन इसके बाद भी पेरेंट्स को बच्चों में लो बीपी की समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। ब्लड प्रेशर, ब्लड का वह दबाव है, जिससे ब्लड धमनियों की दीवारों से टकराता है। लेकिन बच्चों में सामान्य ब्लड प्रेशर कई कारकों पर भी निर्भर करता है। जैसे उनकी लंबाई, लिंग और उम्र आदि के आधार पर। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में लो ब्लड प्रेशर के कारण, लक्षण और जरूरी टिप्स आदि के बारे में बताने जा रहे हैं।

- नवजात शिशु में 60/40 mmHg
- 1-5 साल के बच्चे में 80/50 से 95/60 mmHg
- किशोरावस्था में 110/70 से 120/80 mmHg

जब बच्चे का ब्लड प्रेशर उनकी हाइट, उम्र और लिंग के मानक स्तर से नीचे चला जाता है, तो वह हाइपोटेंशन की स्थिति होती है।

छोटे बच्चों में लो बीपी की मुख्य

डिहाइड्रेशन

बच्चों में लो ब्लड प्रेशर का सबसे प्रमुख और सामान्य कारण डिहाइड्रेशन है। जब भी किसी बच्चे के शरीर में तरल पदार्थों की कमी हो जाती है, तो इसका असर ब्लड वॉल्यूम पर भी पड़ता है।

ब्लड वॉल्यूम कम होने से धमनियों की दीवारों पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाता है, जिससे बीपी लो हो जाता है। आमतौर पर बच्चों में यह स्थिति बार-बार उल्टी होना, दस्त, तेज बुखार या ज्यादा पसीना आना होता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स इंबैलेंस

बच्चों के शरीर में जब भी पानी की मात्रा कम हो जाती है, तो न सिर्फ शरीर डिहाइड्रेट होता है, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस भी होने लगता है। ऐसेमें हृदय को अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। जिससे बीपी लो हो जाता है। ऐसी स्थिति में बच्चे को चक्कर आ सकते हैं, वह बेहोश हो सकता है या फिर सुस्त पड़ सकता है।

संक्रमण

संक्रमण बच्चों में लो बीपी की वजह बन सकता है। जिससे बच्चों में सेप्टिक शॉक जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। जब किसी संक्रमण की वजह से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा सक्रिय हो जाती है। इस कारण शरीर में सूजन पैदा हो सकती है। जिससे टिश्यूज को नुकसान पहुंचता है और बीपी का स्तर खतरनाक रूप से कम हो जाता है।

पोषक तत्वों की कमी होना

जब बच्चे सही डाइट नहीं फॉलो करते हैं, जिस कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। अगर बच्चे के शरीर में फोलेट और विटामिन बी12 की कमी हो जाती है, तो बॉडी में पर्याप्त मात्रा में रेड ब्लड सेल्स नहीं बन पाते हैं, जिससे बच्चे को एनीमिया हो सकता है और बीपी कम रह सकता है।

हृदय संबंधी समस्याएं

अगर बच्चे के जन्म से ही दिल में छेद है या हृदय की मांसपेशियां कमजोर हैं। वहीं वह शरीर के अंगों तक पर्याप्त मात्रा में ब्लड पंप नहीं कर पाता, जिससे ब्लड प्रेशर लो हो जाता है।

हार्मोनल समस्याएं

जब बच्चों में थायराइड एड्रिनल ग्लैंड से जुड़ी समस्या होती है, तो उनको लो बीपी की समस्या हो सकती है। अगर बच्चे का ब्लड़ शुगर लो हो जाता है, तो इसकी वजह से ब्लड प्रेशर के लेवल में भी गिरावट देखने को मिल सकती है।

- लो ब्लड प्रेशर के लक्षण
- धुंधला दिखाई देना
- चेहरे का रंग सफेद नजर आना
- हाथ-पैर ठंडे पड़ जाना
- चक्कर आना या बेहोशी
- थकान और सुस्ती
- सांस लेने में तकलीफ आना
- एकाग्रता में कमी
- बार-बार प्यास लगना

शॉक

बच्चों में यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें बॉडी के सभी अंगों और टिश्यूज तक पर्याप्त मात्रा में ब्लड फ्लो नहीं होता है। जिस कारण ऑक्सीजन बाधित होने लगती है। शॉक के शुरूआती चरणं में बच्चे का शरीर हृदय गति बढ़ाकर बीपी को स्थिर रखने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे-जैसे शॉक बढ़ता है और हृदय की मांसपेशियां कमजोर पड़ने लगती है। वहीं ब्लड फ्लो पर असर दिखने लगता है। यह एक गंभीर और जानलेवा स्थिति भी है।

लगातार बेहोश होना

अगर आपका बच्चा बार-बार बेहोश हो रहा है, तो पेरेंट्स को इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह सामान्य स्थिति नहीं है। जब बीपी का स्तर लो काफी कम हो जाता है, तो दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन युक्त ब्लड नहीं मिल पाता है। इस कारण बच्चे बार-बार बेहोश होने लगता है। यह स्थिति संकेत देती है कि शरीर का सकुर्लेटरी सिस्टम गंभीर दबाव में है और शरीर के अंगों को नुकसान हो सकता है।

नीला पड़ना

बीपी लो होने के कारण शरीर के अंगों तक सही तरह से ऑक्सीजन सप्लाई नहीं होता है। ऑक्सीजन की भारी कमी की वजह से बच्चे के नाखून, होंठ और स्किन का रंग नीला पड़ने लगता है। यह एक गंभीर संकेत होता है कि शरीर की जरूरतों को हृदय और फेफड़े पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

पर्यटन

भारत के इस गांव में मिलता है विदेश जैसी ट्रिप

अगर आप भारत में वेनिस का अनुभव करना चाहते हैं तो केरल के अलप्पुझा का वेलियानाड गांव एक आदर्श विकल्प है, जो अपने बैकवॉटर और नहरों के लिए प्रसिद्ध है। इस गाइड में जानें यहां पहुंचने का तरीका, हाउसबोट स्टे की जानकारी और घूमने के लिए सबसे अच्छे मौसम के बारे में।

भारत को विविधता का देश कहा जाता है। यहां पर घूमने-फिरने केलिए कई सारी जगहें। घुमक्कड़ लोग घूमने के लिए नई-नई जगहों को खोजते रहते हैं। विदेश घूमने का भी सपना हर किसी का होता है। लेकिन, यहां जाने के लिए हर किसी की बात नहीं होती है। सही प्लानिंग के साथ आपको बजट का भी ध्यान होता है। पासपोर्ट और वीजा की जरुरत होता है। अक्सर लोगों का सपना होता है कि अमरेका, इटली, पेरिस या स्विट्जरलैंड जाने का।

इस लेख में हम आपको बताएंगे भारत में ही शेल्व्री जैसा माहौल। यहां एकदम शेल्व्री जैसी फिलिंग आती है। आइए आपको इस जगह के बारे में बताते हैं।

भारत में कहां है ये गांव?

इस लेख में हम आपको वेलियानाड के बारे में बता रहे हैं। ये केरल के अलप्पुझा जिले में कुट्टनाड क्षेत्र में स्थित है। असल में ये इलाका अपने बैकवॉटर (पानी के रास्तों) के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां पर जमीन समुद्र तल से नीचे भी पाई जाती है, इसलिए यहां पानी चारों तरफ देखने को मिलता है और सुंदर नजारा देखने को मिलता है।

इसे क्यों कहा जाता है भारत का वेनिस?

इस गांव की पहचान इसकी चारों ओर फैली जलधाराओं से होती है। यहां आम सड़कों की बजाय नहरें और पानी से भरे रास्ते नजर आते हैं, जिनके जरिए लोग नाव से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचते हैं। गांव के घरों के किनारे बहता पानी इसकी सुंदरता को और भी आकर्षक बना देता है। प्राकृतिक खूबसूरती और अनोखी बनावट के कारण इस जगह को ह्रभारत का वेनिसह्र भी कहा जाता है।

यहां पर आप क्या-क्या कर सकती हैं?

- बैकवॉटर बोटिंग का मजा
- हाउसबोट का कमाल का एक्सपीरियंस
- नेचर फोटोग्राफी
- गांव की लाइफ को करीब देखने को मिलता है।

घूमने का सही समय क्या है?

यहां पर घूमने के लिए सबसे बढ़िया समय अक्तूबर से मार्च तक माना जाता है। इस समय मौसम ठंडा और सुहावना रहता है। लेकिन ये पीक टाइम होता है। ऑफ सीजन यानी के मई-जून में यहां ज्यादा भीड़ नहीं होती है, यह समय भी सबसे अच्छा होता है।

कैसे पहुंचे?

यहां पर जाने के लिए सबसे नजदीकी शहर अलप्पुझा है। इधर से आप टैक्सी या लोकल बोट के जरिए वेलियानाड पहुंच सकती हैं। नजदीकी रेलवे स्टेशन भी अलप्पुझा में ही है। यहां आपको कई होटल और हाउसबोट स्टे करने के लिए मिल जाएंगे। अपने बजट के अनुसार होटल और हाउसबोट ले सकते हैं।

इन टिप्स को फॉलो करें

- जब आप बोटिंग करें तो लाइफ जैकेट जरुर पहनें।
- धूप से बचने के लिए टोपी और सनस्क्रीन रखें।
- पानी के पास सावधानी जरुर बरतें, खासकर बच्चों के साथ।
- लोकल नियमों का पालन करें।
- साफ-सफाई का ध्यान जरुर रखें।

ब्यूटी / फैशन

झाड़ू जैसे बालों से पाएं मुक्ति, ये नेचुरल कंडीशनर देगा जबरदस्त साईन

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही सबसे ज्यादा समस्या हमारी त्वचा और बालों को होती है। बालों की बात करें तो धूप, धूल और पसीने की वजह से यह बेजान हो जाते हैं। कई लोगों के बाल तो झाड़ू जैसे हो जाते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए मार्केट के महंगे प्रोडक्ट्स खरीदकर इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इससे कुछ ही समय के लिए आपके बाल शाइनी और स्मूथ बन जाते हैं, केमिकल बेस्ड यह प्रोडक्ट बालों को भी नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आप चाहें तो घर पर ही हेयर कंडीशनर बना सकती हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हेयर कंडीशनर बनाने के आसान तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

बालों को सिल्की और शाइनी बनाने के लिए घर पर ही हेयर कंडीशनर बना सकती हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेंगे। ऐसे में आज हम आपको हेयर कंडीशनर बनाने के आसान तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

- पका हुआ केला - 1
- दही - 2 चम्मच
- नारियल तेल - 1 चम्मच

बता दें कि यह तीनों ही चीजें मिलकर बालों को गहराई से पोषण देती हैं और बालों की ड्राइनेस को भी कम करता है।

जानिए कैसे बनाएं कंडीशनर

इस हेयर कंडीशनर को घर पर बनाने के लिए सबसे पहले केले को अच्छे से मैश कर लें। जिससे कि उसमें गुठली न रह जाए। अब केला जो मैश किया है, उसमें दही और नारियल का तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। इसको तब तक मिलाना चाहिए, जब तक यह एक स्मूथ पेस्ट न बन जाए। इस पेस्ट में गुठली नहीं रहनी चाहिए।

ऐसे करें इस्तेमाल

बालों को सबसे पहले गीला कर लें और इसके बाद पेस्ट को बालों की लंबाई में अच्छे से लगाएं। खासकर बालों के सिरों पर। फिर इस पेस्ट को आधे घंटे तक ऐसे ही लगा रहने दें और इसके बाद बालों को शैंपू से धो लें।

फायदेमंद है ये कंडीशनर

केला बालों को मॉइस्चराज करता है और उनको सॉफ्ट बनाता है। दही से बालों को मजबूती मिलती है और नारियल का तेल बालों को गहराई से पोषण देता है और उनको शाइनी बनाता है। आप सप्ताह में इसका एक या दो बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों पर दें विशेष ध्यान

- पेस्ट को अच्छे से ब्लेंड कर लेना चाहिए।
- अगर आपकी ऑयली स्कैल्प है, तो तम को कम रखें।
- इसके इस्तेमाल के बाद बालों को अच्छे से वॉश कर लें।
- इसको इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए।
- अगर आपको कोई दिक्कत है, तो एक्सपर्ट की सलाह पर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

घरेलू नुस्खे

तंदूरी आलू की जाने रेसिपी, ढाबे जैसा स्वाद अब घर पर पाएं

अब घर पर कड़ाही का उपयोग करके बिना तंदूर के बनाएं ढाबा स्टाइल भरवां तंदूरी आलू। इस आसान रेसिपी में पनीर-मसाले की स्टफिंग और दही-बेसन के मैरिनेशन से आलुओं को तैयार कर परफेक्ट भुना हुआ स्वाद पाया जा सकता है।

रोजाना घर का खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते हैं। फिर हमें बाहर खाना खाने से मन करता है। अक्सर ढाबे का खाना देखकर मुंह में पानी आ ही जाता है, क्योंकि मसालेदार जायके आप काफी मिस करते हैं। अगर आपको मसालेदार और भुने हुए तंदूरी आलू मिल जाए, फिर तो मजा ही आ जाए। तंदूरी आलू बनाने के लिए अब आपको तंदूर की कोई जरुरत नहीं है, घर में बड़े ही आसान तरीके से ढाबे जैसा भरवां तंदूरी आलू बना सकते हैं। इस रेसिपी को फॉलो करके देखिए।

सामग्री

- छोटे आकार के आलू - 10-12
- पनीर - 1 कप (कद्दूकस किया हुआ)
- उबले हुए आलू का गूदा - आधा कप
- बारीक कटा प्याज - 1
- बारीक कटी हरी मिर्च - 1-2
- अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
- गरम मसाला - आधा चम्मच
- अमचूर पाउडर - आधा चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- तेल - तलने के लिए
- गाढ़ा दही - आधा कप
- बेसन - 2 चम्मच
- अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
- हल्दी पाउडर - आधा चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 चम्मच
- जीरा पाउडर - आधा चम्मच

- गरम मसाला - आधा चम्मच
- चाट मसाला - आधा चम्मच
- कस्तूरी मेथी - 1 चम्मच
- सरसों का तेल - 1 चम्मच
- नमक - स्वादानुसार

कैसे बनाएं ढाबे स्टाइल के भरवां तंदूरी आलू

- सबसे पहले आप छोटे आलू को 80% तक उबाल लें। पूरी तरह से आलू को न पकाएं। ठंडा होने के बाद इन्हें अच्छे से छील लें और बीच से चम्मच की मदद से थोड़ा गूदा निकाल लें, जिससे स्टाफिंग अच्छे से फिल हो जाए।
- इसके बाद एक कटोरी में कद्दूकस किया हुआ पनीर, निकाला हुआ आलू का गूदा, बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। फिर इस मिश्रण को आलुओं के अंदर अच्छे से भर दें।
- अब एक बड़े बाउल में दही, बेसन, अदरक-लहसुन का पेस्ट, सारे मसाले (लाल मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, गरम मसाला, चाट मसाला), कस्तूरी मेथी, गर्म सरसों का तेल और नमक डालकर अच्छे से फेंट लें।
- इसके बाद तैयार किए गए भरवां आलुओं को मसालेदार मैरिनेड में अच्छी तरह डुबोकर चारों ओर से कोट कर लें। फिर इन्हें लगभग आधे घंटे के लिए फ्रिज में रख दें, ताकि सभी मसालों का स्वाद आलुओं के अंदर तक अच्छी तरह समा जाए।
- अब भारी तले वाली कड़ाही में थोड़ा तेल या घी डालकर गर्म करें। गैस की आंच को धीमी रखें और इसमें मैरिनेट किए हुए आलुओं को सावधानी पूर्वक रखें। इन्हें हर तरफ से पलट-पलटकर तब तक भूनें जब तक यह गोल्डन ब्राउन न हो जाए।
- आखिरी में गरमा-गरमा तंदूरी आलुओं को कड़ाही से निकालें। अब इसके ऊपर से थोड़ा चाट मसाला और बारीक कटी हरी धनिया डालकर परोसें। इसको आप हरी चटनी और प्याज के लच्छों के साथ सर्व करें।

पटौदी-जटौली मंडी में जनसेवा और विकास का संदेश, आरती राव ने संभाला कार्यक्रम का मोर्चा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

पटौदी। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि जनप्रतिनिधि का असली उद्देश्य केवल राजनीति करना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास पर खरा उतरते हुए सेवा करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी विश्वास के साथ वे लगातार क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही हैं।

स्वास्थ्य मंत्री बुधवार को जटौली मंडी में आयोजित मार्केट कमेटी पटौदी के नवनियुक्त चेयरमैन मनोज मोकलवास के पदग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थीं। इस दौरान पटौदी की विधायक बिमला चौधरी भी विशेष रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने चेयरमैन कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

समारोह से पहले आरती सिंह राव का पटौदी क्षेत्र में जोरदार स्वागत किया गया। खुली जीप में निकाले गए रोड शो में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में ऊंटों और घोड़ियों के नृत्य ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जबकि कई स्थानों पर जेसीबी मशीनों से पुष्प वर्षा की गई।

अपने संबोधन में आरती राव ने कहा कि मंत्री बनने के बाद उन्होंने लगातार आम लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में लोगों को उनसे मिलने में संकोच होता था, लेकिन अब लगातार संवाद और जनसंपर्क के कारण लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है। सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतारने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों और कस्बों तक आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख न करना पड़े। अस्पतालों में आधुनिक मशीनें, विशेषज्ञ डॉक्टर और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार जारी हैं।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने किसानों और मजदूरों के हित में एक अहम घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि आगामी खरीद सीजन से पटौदी-जटौली मंडी में 'अटल किसान मजदूर कैंटीन' शुरू की जाएगी, जहां किसानों और श्रमिकों को मात्र 10 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसान और मजदूर वर्ग को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में विधायक बिमला चौधरी ने भी क्षेत्र के विकास कार्यों पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर एसडीएम दिनेश लुहाच, जिला परिषद प्रमुख दीपाली चौधरी, मानेसर महापौर डॉ. इंद्रजीत यादव, जिला अध्यक्ष अजीत यादव, नगर परिषद चेयरमैन प्रवीण ठाकरिया, पूर्व जिला पार्षद वीरेंद्र सिंह हबलू, प्रोफेसर हंसराज, सुधीर सरपंच, यशपाल फरीदपुर, धर्मबीर कारोला, विपिन यादव, अमित शर्मा, श्याम लाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अंश निर्धारण कार्य में तेजी लाने को जिलाधिकारी ने चलाया विशेष अभियान

16 मई तक ग्रामवार अभियान चलाकर खतौनी में अंश निर्धारण पूर्ण करने के जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि जनपद के ग्राम पंचायतों में अंश निर्धारण हेतु अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में 16 मई, 2026 तक पांच दिवसीय विशेष अंश निर्धारण अभियान चलाकर ग्रामवार खातेदार एवं सहखातेदारों की खतौनी में अंश निर्धारण कार्य को तेजी से पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक तहसील स्तर पर सुव्यवस्थित कार्य योजना तैयार कर क्षेत्रीय लेखपालों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं तथा लगातार मॉनिटरिंग करते हुए लक्ष्य की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी, अंश निर्धारण के कार्य में शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी, उन्होने यह भी निर्देश दिए है कि सभी क्षेत्रीय लेखपाल ग्रामवार कार्य योजना तैयार कर अपनी प्रगति प्रत्येक दिन तीन घंटे के अंतराल पर गूगल शीट में अनिवार्य रूप से अंकित करेंगे, जिससे कार्यों की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी निगरानी की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के माध्यम से लंबित अंश निर्धारण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर राजस्व अभिलेखों को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जाएगा, जिससे आमजन को राजस्व संबंधी कार्यों में सहूलियत प्राप्त होगी।

जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में आज अंश निर्धारण अभियान के द्वितीय दिवस में सांय 06:00 बजे तक तहसील रावर्टसगंज में 870, तहसील घोरावल में 729, तहसील ओबरा 815, तहसील दुद्धी 2422 अंश निर्धारण की कार्यवाही की गयी, जनपद में कुल 4836 अंश निर्धारण किये गये है।

कृष्ण नाम सुमिरन से होता है दुखों का अंत: संजय जी महाराज

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 119 के सफाबाद में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन के व्याख्यान में श्रीमद्भागवत कथा के मर्मज्ञ अंतर्राष्ट्रीय संत संजय जी महाराज जी ने कथा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण नाम सुमिरन मात्र से ही सभी दुखों का अंत हो जाता है। आगे कहा कि भगवान श्रीकृष्ण नाम सुमिरन से क्रोध, लोभ से मुक्ति मिलती है। कथा के मुख्य यजमान डॉ दिनेश यादव एवं जिले यादव ने व्यास पीठ की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन आजमगढ़ से आए उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एंकर अभय तिवारी ने किया। इस अवसर पर अक्षय त्यागी, समर सिंह यादव, राकेश सिंह, अजीत सिंह, संतोष सिंह सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आपरेशन सिंदूर बरसी पर सजी कविता की महफिल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी शहीद स्थल पर बुधवार को आपरेशन सिंदूर को समर्पित काव्य प्रशून में कवियों ने राष्ट्राभिनंदन कर ओज व वीर रस की कविताओं से जनसमूह का मन मोह लिया। अध्यक्षता करते हुए चंदौली से आये शिवदास कवि ने, मातृभूमि के बलिवेदी पर हंसि हंसि शीश कटावै सेन्हुर, जहाँ सोहागिन लुटावैं सेन्हुर सुनाया और वातावरण सृजित किये। आयोजक संयोजक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट प्रमुख शहीद स्थल करारी ने, सिंदूर जहाँ सुहागिनों ने दान किया है, बहनों ने अपने भाई को कुर्बान किया है, बेटे को लगा चंदन मां सीमा पर भेजती, बलिदानियों के बल पे हिंदुस्तान बना है। सुनाकर देश अनुराग का स्वर बुलंद किया। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान शिक्षक ने, सिंदुर थाती जीवन बाती प्रीत का है आधार, मांग सजा कर सजन है करता सात जनम तक प्यार सुनाकर महफि ल लूट लिया सराही गयीं। गायक सुशील मिश्रा ने जाये नाहीं पावै सजना सेनुरा के पानी। सत के आगे टिकै न केहू एकर अमिट कहानी सुनाकर अभिव्यक्ति को धार दी।

धर्मेश चौहान एडवोकेट ने, सिंदूर मन का विश्वास है सिंदूर धरती आकाश है छिपा है इसमें जीवन रहस्य, प्रीत अनुराग हर साँस है सुनाकर खूब तालियां बजवाते रहे। दिलीप सिंह दीपक सुनील चौचक दयानंद दयालू ने भी काव्य पाठ कर सिंदूर की महिमा को रेखांकित किया। सफल संचालन करते हुए अशोक तिवारी एडवोकेट ने सिंदुर में समाया संसार, भव्य छवि निर्मल अगम अपार सुनाकर गतिज उर्जा से महफि ल रौशन किये।

आभार ऋषभ त्रिपाठी ने व्यक्त किया। शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण राष्ट्र गान से आयोजन को विराम दिया गया। इस अवसर पर राम यश त्रिपाठी विजय शंकर त्रिपाठी जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट ठाकुर कुशवाहा पुरुषोत्तम फारुख अली हाश्मी आद्या अनीशा चौहान हर्ष चौहान अंशिका गनेश बलिराम शिवम आदि देर शाम तक जमे रहे।

बारातियों से भरी पिकअप पलटी, घायलों का हाल जानने रात में मेडिकल कॉलेज पहुंचे जिलाधिकारी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। सिलथं क्षेत्र में बारात लेकर जा रही एक पिकअप गाड़ी अचानक मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार कई बाराती घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी चर्चित गौड़ देर रात मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायल व्यक्तियों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने प्राचार्य मेडिकल कॉलेज को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी घायलों का समुचित एवं त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

फार्मर्स कंज्यूमर मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं निदेशकों का चुनाव 7 जून को होगा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। फार्मर्स कंज्यूमर मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड 8, कृष्णा नगर, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं निदेशकों का चुनाव 7 जून 2026 को दिल्ली में संपन्न होगा। यह जानकारी समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष राम कुमार वालिया ने दी। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रोग्राम का शेड्यूल निम्नानुसार रहेगा। सदस्यों की अंतिम सूची का प्रकाशन 13 मई को होगा, नॉमिनेशन 19 मई से 21 मई तक और नॉमिनेशन लिस्ट का प्रकाशन 21 मई को होगा। वही नॉमिनेशन फॉर्म का स्क्रुटनी 22 मई को होंगी। वैध नॉमिनेशंस की लिस्ट का प्रकाशन 22 मई को और नॉमिनेशन से नाम वापस 23 मई तक ले सकते हैं। चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों की अंतिम सूची का प्रकाशन 23 मई को जबकि पोलिंग 7 जून को होगी। वही वोटो की गिनती और 19 एम फॉर्म सबमिशन और चुनाव परिणाम की घोषणा 8 जून को होगी।

स्वतंत्र देव सिंह नें किया नवनिर्मित मुख्य अभियन्ता यमुना कार्यालय भवन का लोकार्पण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नई दिल्ली। ओखला नई दिल्ली स्थित नवनिर्मित मुख्य अभियन्ता यमुना कार्यालय भवन का लोकार्पण जल शक्ति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार स्वतंत्र देव सिंह के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर यमुना परियोजना संगठन द्वारा पूर्ण की गई कुल 16 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण/जनसमर्पण भी किया गया, जिनकी कुल स्वीकृत लागत 8803.114 लाख तथा कार्य लागत 6831.310 लाख है। विभाग द्वारा इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन से 1971.804 लाख की बचत सुनिश्चित की गई। स्वतंत्र देव सिंह नें विभाग द्वारा कराए गए बाढ़ सुरक्षा, तटबंध सुदृढ़ीकरण नहर पुनर्स्थापना, बैराज सुरक्षा एवं प्रशासनिक अवसंरचना विकास संबंधी कार्यों की सराहना की गई तथा अधिकारियों को जनहित एवं जल संसाधन संरक्षण से संबंधित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में विभागीय वरिष्ठ अधिकारीगण, अभियन्तागण, जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा पुलिस को उस एक बड़ी सफलता मिली जब थाना फेज-1 पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का पदार्फाश करते हुए दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान हापुड़ निवासी विकास कुमार और हाथरस निवासी सूरज के रुप में हुयी। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल, सोने के दो और चांदी के दो सिक्के बरामद हुए। बता दे कि आरोपी केवाईसी और क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम कराने के नाम पर लोगों से ठगी करते थे। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि थाना फेज-1 पुलिस को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए सूचना मिली थी कि सेक्टर-2 में सी-90 की चौथी मंजिल पर एक फर्जी कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा है। सूचना के आधार पर मंगलवार को पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के मोबाइल नंबरों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों से एनसीआरपी पोर्टल पर 20 से अधिक शिकायतें दर्ज है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे कमीशन के आधार पर काम करते थे। आरोपी बैंकों के क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा चोरी करते। इसके बाद वे ग्राहकों को कॉल कर खुद को बैंक कर्मचारी बताते और केवाईसी अपडेट करने या कार्ड के रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम कराने की बात कहते। आरोपी लोगों को एक एपीके फाइल डाउनलोड कराते थे, जो देखने में बिल्कुल बैंक की आधिकारिक मोबाइल ऐप जैसी लगती थी। जैसे ही ग्राहक उस ऐप को अपने मोबाइल में इंस्टॉल करता, आरोपी उससे क्रेडिट कार्ड नंबर, सीवीवी और अन्य जरूरी जानकारी भरवा लेते। इस एपीके फाइल के जरिए ग्राहकों के मोबाइल पर आने वाला ओटीपी भी आरोपियों तक पहुंच जाता। ओटीपी हासिल करने के बाद आरोपी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट, जेप्टो और अन्य ऐप के माध्यम से गोल्ड और सिल्वर क्वाइन खरीद लेते थे। डिलीवरी के लिए वे किसी भी रैंडम पते का इस्तेमाल करते थे ताकि पुलिस तक उनकी पहचान न पहुंच सके। बाद में आरोपी उन सिक्कों को बाजार में बेचकर रकम हासिल कर लेते थे।

जिंगल बैल्ज एकेडमी के दो विद्यार्थियों का भारतीय सेना में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

भारतीय सेना में चयनित विद्यार्थी कपिल (बाएं) और महेश (दाएं)।

पटौदी (स्वास्तिक सहारा)। पटौदी मंडी नगरपरिषद स्थित जिंगल बैल्ज एकेडमी के दो विद्यार्थियों का भारतीय सेना में चयन होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। एकेडमी में कोचिंग ले रहे गांव जोड़ी कलां निवासी महेश पुत्र गोपी राम तथा गांव ऊंचा माजरा निवासी कपिल पुत्र अजीत कुमार ने भारतीय सेना में चयन हासिल कर अपने परिवार, गांव और एकेडमी का नाम रोशन किया है। जानकारी के अनुसार दोनों विद्यार्थी पिछले लगभग 5-6 महीनों से एकेडमी में नियमित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। उनकी इस सफलता से एकेडमी में खुशी का माहौल है तथा अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। एकेडमी की डायरेक्टर श्रीमती मंजू छौंकर ने दोनों चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि एकेडमी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन देकर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना है, ताकि युवा अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने बताया कि एकेडमी में डिफेंस, ररउ, रेलवे, हरियाणा उएळ, पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए मैथ्स, इंग्लिश, रीजनिंग, फिजिक्स, केमिस्ट्री और अकाउंटेंसी जैसे विषयों की कोचिंग भी उपलब्ध है। एकेडमी में प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए फ्री लाइब्रेरी और कंप्यूटर सुविधा भी दी जा रही है। क्षेत्र के लोगों ने दोनों युवाओं की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया है।

श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न, उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-105 स्थित श्री कल्याण सुंदरम शिव मंदिर में शिव परिवार की प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पुण्य लाभ अर्जित किया। आरडब्ल्यूए महासचिव राजीव दुबलिश ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह भव्य प्रभात फेरी के साथ हुआ। गाजे-बाजे और शिव भजनों की गूंज के साथ जब प्रभात फेरी निकाली गई, तो पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए 'हर-हर महादेव' के जयकारों से वातावरण में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार हुआ। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) ने जानकारी दी कि प्रभात फेरी के मंदिर प्रांगण पहुँचने के उपरांत विधिवत हवन-यज्ञ शुरू हुआ। विद्वान पंडितों द्वारा उच्चारित वैदिक मंत्रों के बीच शिव परिवार की प्रतिमाओं का अभिषेक और शास्त्रोक्त पद्धति से पूजन किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत महादेव और उनके परिवार की अलौकिक आरती उतारी गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। अनुष्ठान की पूर्णता पर मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आरडब्ल्यूए कोषाध्यक्ष करण मनोचा ने बताया कि हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर पूरी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए आरडब्ल्यूए के सदस्य मुस्तैद रहे। आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष रानी गौतम ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस त्रि-दिवसीय अनुष्ठान का मूल उद्देश्य लोक कल्याण और क्षेत्र में सुख-शांति व समृद्धि की कामना करना है। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए समिति के सदस्य उमेश माथुर, महेश चौहान, नवीन पालीवाल सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट में इनोवेशन एवं रिसर्च एक्सचेंज का आयोजन किया

ग्रेटर नोएडा (स्वास्तिक सहारा)। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने स्प्रिंगर नेचर विशेषज्ञ के साथ इनोवेशन एवं रिसर्च एक्सचेंज सत्र का आयोजन किया। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ग्रेटर नोएडा के अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) सेल ने को आर एंड डी सेल ने स्प्रिंगर नेचर, लंदन के अनिंदा बोस के साथ एक ऐतिहासिक सत्र इनोवेशन एवं रिसर्च एक्सचेंज का आयोजन किया, जिसमें संकाय सदस्यों को वैश्विक शोध दृश्यता और प्रकाशन परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों से सशक्त किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शैक्षणिक प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जो अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग के प्रति जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक वैश्विक प्रकाशन नेता द्वारा मुख्य भाषण विश्व के सर्वप्रमुख शैक्षणिक प्रकाशन संस्थानों में से एक, स्प्रिंगर नेचर, लंदन, यूके के अनिंदा बोस द्वारा दिया गया। श्री बोस ने नवाचार, अनुसंधान और

वैश्विक प्रकाशन अवसरों में उभरते रुझानों पर अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की संकाय सदस्यों को उनके शोध उत्पादन और अंतर्राष्ट्रीय पहुँच बढ़ाने के लिए व्यावहारिक ज्ञान से लैस किया। कार्तिकेय अग्रवाल, सीईओ, जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर नोएडा एवं मथुरा ने बताया कि यह सत्र हमारे संकाय समुदाय के लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। प्रबंधन और आर एंड डी सेल ने अनिंदा बोस को उनके समय और विशेषज्ञता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट नवाचार, अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग के एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए ऐसे उच्च प्रभाव वाले सत्रों का आयोजन करने हेतु समर्पित है।

रुद्राभिषेक से होता है अकाल मृत्यु का निवारण: आचार्य योगेश कृष्ण

टप्पल (स्वास्तिक सहारा)। क्षेत्र के गांव करनपुर में चल रही श्री शिव महापुराण कथा में बुधवार को कथा वाचक आचार्य योगेश कृष्ण महाराज ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से की गई शिव पूजा एवं रुद्राभिषेक से अकाल मृत्यु का निवारण होता है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव अपने भक्तों पर शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं और उनकी आराधना से मनुष्य के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। इस अवसर पर पंजाबी बाबा, विष्णु पण्डित जी, महेश शर्मा, दिनेश शर्मा, राजू सिंह, जगत पाल सिंह, प्रेमवीर सिंह, अजीत सिंह, संजय सिंह, नारायण सिंह, लाला सिंह, भगवान सिंह सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।